राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार,11जुन2020 वर्ष–2, अंक –99 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आधुनिक ईवीएम से होगा बिहार विधानसभा चुनाव विपक्षी पार्टियां मतपत्र से मतदान कराने की कर रही हैं मांग

क्रांति समय समाचार

पटना (एजेंसी)। कोरोना संकट को लेकर बिहार में विधानस. भा चुनाव के टलने की सारी अटकलबाजियों पर चुनाव आयोग ने पानी फेर दिया है। बिहार में विधानसभा का आम चुनाव इस बार नए ईवीएम से कराया जाएगा। इस नए ईवीएम का नाम एम–3 (मॉडल 3) है। इसके लिए राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के स्तर से कार्रवाई शुरू कर दी गयी है। वहीं विपक्षी पार्टियां ईवीएम की बजाय मतपत्रों से मतदान करने की मांग कर रही हैं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार एचआर श्रीनिवास ने सभी जिलों के जिला निर्वाचन

पदाधिकारी सह जिलाधिकारी को इस नए ईवीएम से ही चुनाव कार्य किये जाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने इसके पूर्व सभी जिलाधिकारियों को वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान भी पुराने ईवीएम की जगह नए ईवीएम की जानकारी दी थी और इसे दूसरे राज्यों से मांगने का निर्देश दिया था।

चुनाव आयोग ने बिहार में चुनाव के लिए तीन राज्यों से नये मॉडल के ईवीएम मशीन मंगवाने का निर्देश दिया है। बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के मुताबिक उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश

और आंध्रप्रदेश से बिहार में नए ईवीएम मंगवाये जाएंगे। इन राज्यों में पिछले दो–तीन सालों में विधानसभा चुनाव हुए हैं और वहां नए मॉडल के इवीएम प्रयोग में लाये गये थे।

जिलाधिकारियों ने ईवीएम मंगवाने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस फोर्स को तैनात करना शुरू कर दिया है।

–पिछले चुनाव में ईवीएम मॉडल 2 का हुआ था प्रयोग

बिहार में पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव ईवीएम मॉडल 2 से कराए गए थे। इसका सॉफ्टवेयर पुराना हो चुका है। इसमें तकनीकी गड़बड़ी जल्द ठीक होनी मुश्किल होती थी। तकनीकी खराबी को जांच के बाद ही दुरुस्त किया जा सकता था। इसके अतिरिक्त मॉडल 2 इवीएम में बैलेट यूनिट भी कम संख्या में जोड़े जा सकते थे। एम –3 ईवीएम में टेंपर डिटेक्टन का फीचर है। अगर कोई इससे कोई छेड़छाड़ करता है तो यह अपने आप काम करना बंद कर देती है। इसके अलावा ये मशीन कुछ खराबियों को खुद ठीक कर लेती है। यानि यदि साफ्टवेयर में कोई फाल्ट है तो यह उसे पकड़ लेगी। इस मशीन के कंट्रोल यूनिट और बैलट यूनिट आपस में संवाद करने में सक्षम है। यदि बाहर से कोई कंट्रोल यूनिट या बैलट यूनिट लगाई जाएगी तो इसके डिजिटल सिग्नेचर मैच नहीं होंगे और सिस्टम काम करना बंद कर देगा।

एम–3 ईवीएम में 24 बैलट यूनिट होगी। एक बैलेट यूनिट में 16 उम्मीदवारों को रखा जा सकता है। यानि अगर किसी क्षेत्र में 300 उम्मीदवार भी होंगे तो ईवीएम मशीन से ही वोटिंग होगी।

पहले की मशीन में ये क्षमता नहीं थी।

पुराने इवीएम में 64 से ज्यादा उम्मीदवार होने पर मतदान के लिए बैलट पेपर इस्तेमाल का प्रावधान था।

प्रस्ताव पर लगी रेलवे बोर्ड की मुहर, तब इतिहास हो जाएगा रेलवे यात्री टिकट को प्रिंट करना

क्रांति समय समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे जोन के प्रस्ताव पर रेलवे बोर्ड की मुहर लगाते ही भारतीय रेलवे में ऐतिहासिक बदलाव देखने को मिलेगा। इन प्रस्तावों को लागू करने के बाद रेलवे यात्री टिकट को प्रिंट करना बंद कर देगा, स्टेशन मास्टर्स सिग्नल मेंटेनर के रूप में भी काम करेगा, टीटी की जगह आरपीएफ स्टाफ और यात्रा के दौरान ट्रेन में मौजूद तकनीशियन टिकट की जांच कर सकते है। बदलाव संबंधी ये सभी प्रस्ताव रेलवे को उसके अलग–अलग जोन से प्राप्त हुए हैं।

हालांकि, रेलवे बोर्ड द्वारा अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि इन प्रस्तावों को हरी झंडी मिलने के बाद रेलवे और बेहतर तरीके से काम कर पाएगा।

रेलवे के अधिकारियों ने कहा कि रेलवे बोर्ड परिचालन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए अपने कर्मचारियों को कई कामों के लिए प्रशिक्षित और बहु–कुशल बनाने की योजना बना रहा है। रेलवे बोर्ड 2019 में केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद से ही अपनी 8 सेवाओं को एक केंद्रीय सेवा 'भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा' में एकीकृत करने के तौर–तरीकों पर काम कर रहा है। हालांकि विभिन्न क्षेत्रों से प्रस्ताव अभी भी आ रहे हैं और इस मामले पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, अधिकारियों ने कहा कि एक बार प्रक्रिया पूरी होने के बाद रेल ने. टवर्क में कार्यों का बेहतर तरीके से प्रबंधन हो सकेगा। बता दें कि अभी तक इन प्रस्तावों में अकाउंट्स, कॉमर्शियल, इलेक्ट्रिकल, मैके. निकल, इंजीनियरिंग, मेडिकल, पर्सनल, ऑपरेटिंग, स्टोर, सिग्नल और टेलीकम्युनिकेशन (दूरसंचार) विभागों समेत कई अन्य पदों के विलय करने का सुझाव दिया गया है।

प्रस्ताव के मुताबिक, रेलवे को भी एयरलाइंस की तर्ज पर टिकट की प्रिंटिंग नहीं करनी चाहिए। बल्कि यात्रियों को अपने मोबाइल पर ही टिकट दिखाने के लिए अनुमति दी जानी चाहिए या

हवाई अड्डों पर लगे सेल्फ–प्रिंटिंग बोर्डिंग पास की तरह ही ट्रेन यात्रियों को भी सेल्फ–टिकट प्रिंटिंग मशीन पर प्रिंट करने की सुविधा दी जानी चाहिए। एक अन्य रेलवे जोन के प्रस्ताव में कहा गया कि ट्रेन में मौजूद रहने वाले टेक्निकल स्टाफ को टिकट चेक करने की ड्यूटी में लगाया जा सकता है। जबकि एक अन्य ने सुझाव दिया कि रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों को स्टेशनों पर टिकटों की जांच करने की अनुमति दी जानी चाहिए। प्रस्ताव के मुताबिक, रेलवे टेक्निकल स्टाफ को टिकटों की जांच और कोचों के रखरखाव की जिम्मेदारी दी जा सकती है।साथ ही रिटायरिंग रूम अटेंडेंट और वेटिंग रूम अटेंडेंट को मर्ज किया जा सकता है।

कश्मीरी पंडित सरपंच की हत्या से खौफ में घाटी के सरपंच,जम्मू हो रहे हैं शिफ्ट

क्रांति समय समाचार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग में आतंकियों द्वारा सरपंच की हत्या के बाद स्थानीय लोगों में डर बढ़ गया है। घाटी में कश्मीरी पंडित सरपंच की हत्या के बाद बाकी सरपंचों में खौफ है।इसकारण घाटी के कई कश्मीरी पंडित पंच और सरपंच अपना घर छोड़ जम्मू की ओर शिफ्ट हो गए हैं, ताकि वे लोग सुरक्षित रह सकें। गौरतलब है कि बीते सोमवार को अनंतनाग जिले में आतंकियों ने सरपंच अजय पंडिता की गोली मारकर हत्या कर दी थी। लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

अजय पंडिता को आतंकियों ने उनके घर के पास ही गोलियों से भून दिया था, अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। अभी पुलिस मामले की पूरी जांच पड़ताल कर रही है।

पिछले दिनों में आतंकियों के द्वारा जम्मू–कश्मीर में कई आतंकी हमले करने की कोशिश की गई थी,

लेकिन असफल रही। लेकिन इस बार एक सरपंच को निशाना बनाया गया, जिसमें आतंकियों को सफलता मिल गई।

जम्मू–कश्मीर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भी लगातार कई मुठभेड़ हो रही हैं, जिनमें पिछले दो–तीन दिनों में ही एक दर्जन से अधिक आतंकी मारे जा चुके हैं।

अजय पंडिता का संबंध कांग्रेस पार्टी से था,इसके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर उनकी हत्या पर दुख व्यक्त किया।

राहुल गांधी ने लिखा था कि अजय पंडिता ने कश्मीर में लोकतांत्रित व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपनी जान दे दी।

इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और दोस्तों के साथ खड़ा हूं।

हिंसा की कभी जीत नहीं हो सकती। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ.हर्षवर्धन ने कहा कि अजय पंडिता का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनकी हत्या, कश्मीर में आम लोगों में डर और विभिन्न वर्गों में नफरत पैदा करने की एक साजिश है।

न्यूयॉर्क राज्य में पुलिस अफसरों का अनुशासनात्मक रिकॉर्ड गोपनीय रखने वाला कानून रद्द

क्रांति समय समाचार

अल्बानी (एजेंसी)। अमेरिका में न्यूयॉर्क राज्य के सांसदों ने दशकों पुराने उस कानून को रद्द कर दिया है, जिससे तहत कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्डों को गोपनीय रखा जाता है। अधिकारियों के रिकॉर्ड और दुर्व्यवहार की शिकायतों को सार्व. जनिक करने का यह कदम पुलिस की जवाबदेही तय करने वाले उन कई विधेयकों में से एक है जिन पर राज्य विधायिका में विचार चल रहा है। काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में मौत के बाद ऐसे कानूनों को निरस्त किए जाने की मांग की जा रही है। इनमें से कई विधेयकों का प्रस्ताव वर्षों पहले रखा गया था लेकिन पुलिस क्रूरता की निंदा करते हुए देशव्यापी प्रदर्शनों के बाद इनकी मांग तेज हो गई है।

सेक्शन 50–ए के नाम से पहचाने जाने वाले इस कानून को रद्द करने से अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई के दस्तावेज भी सार्वजनिक किए जा सकेंगे।

कानून में सुधार का हाल ही में समर्थन करने वाले गवर्नर एंड्रयू कुमो ने प्रदर्शनों के मद्देनजर कहा कि वह इस कानून को रद्द करने के आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। अभी केवल डेलवेयर राज्य में ही ऐसा कानून है।

कोरोना संकट के बीच बड़ी दानदाता बनकर उभरीं चीन की कंपनियां

क्रांति समय समाचार

बीजिंग (एजेंसी)। कोरोना मह. ामारी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही चीन की कंपनियां बड़ी दानदाता बनकर उभरी हैं। ई–कॉमर्स क्षेत्र के अग्रणी समूह अलीबाबा के संस्थापक और सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य जैक मा ने अप्रैल में न्यूयॉर्क भेजे गए 1,000 वेंटिल. टर के लिए भुगतान करने में मदद की। मा के फाउंडेशन ने अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और एशिया में भी वेंटिलेटर, मास्क और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति की है। इस महामारी के दौरान चीन के प्रमुख कारोबारी वैश्विक स्तर पर अपने अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी समकक्षों के साथ बड़े दानदाता बनकर उभरे हैं। मा, अलीबाबा और अन्य चीनी कंपनियों ने करोड़ों डॉलर की चिकित्सा आपूर्ति, भोजन और नकदी दान में दी है।

वीडियो सेवा टिकटॉक ने स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता और अन्य कार्यों के लिए 25 करोड़ डॉलर देने का वादा किया है। वीचैट मैसेजिंग सेवा की परिचालक टेनसेंट ने 10 करोड़ डॉलर दिए हैं और कहा है कि उसने अमेरिका सहित 15 देशों में मास्क और अन्य सुरक्षात्मक वस्तुओं की आपूर्ति की है। कंप्यूटर निर्माता लेनोवो और इलेक्ट्रिक ऑटो कंपनी बीवाईडी ऑटो सहित दूसरी कंपनियों ने मास्क और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति की हैं।

वैश्विक उपकरण बनाने वाली कंपनी हायर स्मार्ट होम का कहना है कि पाकिस्तान में उसके संयंत्रों के आसपास लोगों को भोजन दिया जा रहा है। इन दानदाताओं की पहल से चीन की छवि को सुधारने में मदद मिली है, जिसे वायरस के उभरने और इस बारे में जानकारी छिपाने के आरोपों के चलते आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

इरडा ने नया वाहन खरीदने वालों को दी राहत, 3 साल और 5 साल के लांग टर्म कवरेज को वापस लिया

क्रांति समय समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीमा नियामक इरडा ने नया वाहन खरीदने की योजना बना रहे लोगों के लिए राहत की खबर दी है। आईआरडीए ने कारों और मोटरसाइकिलों के लिए 3 साल और 5 साल के लांग टर्म कवरेज को वापस ले लिया है। यह नियम उस वक्त में लागू किया गया है, जब कोरोना लॉकडाउन की वजह से लोग अपनी नौकरी गंवा चुके हैं या वेतन में कटौती जैसी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।

वाहनों के लिए लॉन्ग टर्म कवरेज को 2018 के बाद से खरीदे गए वाहन के लिए अनिवार्य बना दिया गया था। इरडा ने कहा कि पॉलिसी को बेचना काफी मुश्किल होता था, क्योंकि इसकी कीमत काफी अधिक होती थी।

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण ने बीमाकर्ताओं के लिए अगस्त 2018 से कारों के लिए तीन साल की मोटर पॉलिसी और सितंबर 2018 से दोपहिया वाहनों के लिए पांच साल की मोटर पॉलिसी अनिवार्य कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस के बिना कोई वाहन सड़क पर नहीं चलेगा, इस फैसले के बाद यह और अधिक अनिवार्य हो गया था।

लॉकडाउन के कारण बीमा कंपनियों को पूरी तरह से खत्म होने की आशंका के चलते यह दिशा–निर्देश लाया गया। साल की पहली तिमाही में देश में बंद के दौरान नए वाहनों की बिक्री न के बराबर हुई। लोगों की खत्म होती नौकरी और वेतन कटौती के बाद ये नियम थोड़े राहत देने वाले हो सकते हैं। नया वाहन खरीदने की योजना बनाने वालों के लिए यह काफी राहत की खबर है, क्योंकि कई सालों के लिए बीमा प्रीमियम का अग्रिम भुगतान कई ग्राहकों के लिए अतिरिक्त बोझ जैसा था। कई ऑटो डीलरों ने शहरों में अपने आउटलेट खोलना शुरू कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने आंध्रप्रदेश सरकार की अपील पर राज्य चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया

क्रांति समय समाचार

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्रप्रदेश सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए राज्य चुनाव आयोग को एक नोटिस जारी किया है। बता दें कि आंध्रप्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के एक फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में चुनाव आयुक्त के कार्यकाल को 5 साल से कमकर 3 साल करने के अध्यादेश को खारिज कर दिया था। आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश के खिलाफ राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में अपील दायर की थी, जिस पर बुधवार को चीफ जस्टिस एस.ए. बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति ऋषिकेश राय की पीठ ने सुनवाई की।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में रेड्डी सरकार के अध्यादेश को खारिज कर दिया था। इस अध्यादेश में एसईसी का कार्यकाल 5 साल से घटाकर तीन साल कर दिया गया था, यह अध्यादेश 10 अप्रैल को लागू किया गया था। इसके अलावा हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश वी. कनगराज को नया एसईसी नियुक्त करने के राज्य सरकार के आदेश को रदद कर दिया था। वहीं सेवानिवृत्त नौकरशाह निग्मागड्डा रमेश कुमार को राज्य चुनाव आयोग का प्रमुख फिर से बहाल कर दिया था।

राज्य सरकार ने 10 अप्रैल को आंध्रप्रदेश पंचायत राज कानून, 1994 में संशोधन कर एसईसी का कार्यकाल 5 साल से कम करके 3 साल कर, रमेश कुमार को अचानक पद से हटा दिया था।

मालिक ने की आत्महत्या, इंतजार करता रहा कुत्ता –चीन के वुहान की है घटना

क्रांति समय समाचार

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के वुहान में एक कुत्ते के मालिक ने पुल से नदी में कूदकर आत्महत्या कर ली। कुत्ता 4 दिनों तक उसी जगह पुल पर बैठा इंतजार करता रहा जहां से कूदकर उसके मालिक ने आत्महत्या की थी। इस कुत्ते की कहानी सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी वायरल हो रही है। बाद में बड़ी मुश्किल से आत्महत्या करने वाले शख्स के दोस्तों ने उस कुत्ते को वहां से हटाया। जानकारी के मुताबिक एक शख्स बीती 30 मई को वुहान में अपने कुत्ते के साथ सैर पर निकला और पास ही मौजूद यांगात्जे नदी के पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि पुलिस के हटाने के बावजूद भी कुत्ता करीब 4 दिनों तक भूखा–प्यासा बैठा अपने मालिक का इंतज़ार करता रहा। एक पुलिसवाले ने ही इस कुत्ते की फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दी जिसके बाद ये काफी वायरल हो रही है। जानकारी के मुताबिक इस कुत्ते को कई लोगों ने घर ले जाने की कोशिश की लेकिन वो बार–बार भड़क जाता था।

वुहान स्मॉल एनिमल प्रोटेक्शन एसोसिएशन के डायरेक्टर डू फैन बताते हैं कि मिस्टर झू नाम के एक शख्स ने इस कुत्ते को अडॉप्ट करने के लिए संपर्क किया था। हालांकि कुत्ता पुल छोड़कर कहीं जाने के लिए तैयार ही नहीं था। इसके बाद मिस्टर झू और मृत व्यक्ति के कुछ दोस्तों ने पुल पर जाकर ही कुत्ते की देखभाल करनी शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि शख्स कुत्ते को छोड़कर कूद गया लेकिन वह अभी भी वहां बैठा हुआ है। हालांकि मिस्टर झू ने उम्मीद नहीं छोड़ी और हफ्ते भर तक लगातार कुत्ते की देखभाल के लिए जाते रहे। इसके बाद किसी तरह कुत्ते को संस्था के पास लाया जा सका। हालांकि कुत्ता अभी भी मिस्टर झू या किसी भी और के साथ जाने के लिए तैयार नज़र नहीं आ रहा है। पुलिस के मुताबिक पुल के सीसीटीवी कैमरे से स्पष्ट है कि जब शख्स से आत्महत्या की तब ये कुत्ता उसके साथ ही था और उसने ये सब होता देखा है।

एसबीआई 17 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा अपनी वार्षिक आम सभा करेगा

क्रांति समय समाचार

मुंबई (एजेंसी)। देश का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक (एसबी. आई) 17 जून को वीडियो कॉन्फ्रेंस के द्वारा अपनी वार्षिक आम सभा करेगा। बैंक ने बुधवार को कहा कि कोविड–19 संकट को देखकर यह निर्णय किया है। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अप्रैल में कंपनियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अपनी वार्षिक आम सभा करने की अनुमति दे दी थी।

एसबीआई ने कहा कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोध के बाद निर्णय किया गया है। बैठक 17 जून को दोपहर तीन बजे से शुरू होगी। बैंक ने कहा है, शेयरधारकों को चार निदेशकों को चुनने के लिए ई–मत की अनुमति होगी। यह निदेशक पांच उम्मीदवारों की सूची में से चयनित किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एसबीआई कानून और एसबीआई जनरल रेग्युलेशंस 1955 के तहत होगी। बैंक ने कहा है कि सभी पक्षों की बेहतरी और लॉकडाउन के तहत लागू प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए पिछले कुछ माह से वह प्रमुख कार्यक्रमों में लोगों की भौतिक रूप से उपस्थिति से बच रहा है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

मुकम्मल फैसला

प्रवासी मजदूरों के बारे में सुप्रीम कोर्ट का ताजा फैसला देश के लाखों गरीब कामगारों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। यह एक मुकम्मल फैसला है। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकारों को न सिर्फ 15 दिनों के भीतर तमाम इच्छुक प्रवासी मजदूरों को उनके गांव या मूल स्थान लौटने की सुविधा मुहैया कराने का आदेश दिया है, बल्कि गांव पहुंचने के बाद उनकी आजीविका के उपायों के बारे में भी योजनाएं बनाने को कहा है, ताकि उनके कौशल के मुताबिक उनका समुचित समायोजन हो सके। कोर्ट ने अपने फैसले में इस बात का भी ख्याल रखा है कि जो मजदूर अपने मूल स्थान पर लौटें, उन्हें वहां प्रखंड व जिला स्तर पर चलने वाली सरकारी योजनाओं का पूरा-पूरा लाभ मिले और वे फाकाकशी का शिकार न बनने पाएं। ये सारे काम कार्यपालिका के हैं और इन्हें बिना न्यायिक हस्तक्षेप के संपन्न हो जाना चाहिए था। पर सुप्रीम कोर्ट को यदि स्वत- संज्ञान लेना पड़ा और उसके दखल की नौबत आई है, तो यह हमारी कार्यपालिका के लिए कतई सुखद बात नहीं है। बीते 25 मार्च से देश में पूर्ण लॉकडाउन लागू हुआ था, और इसके शुरुआती दो दिनों में ही दिल्ली-उत्तर प्रदेश बॉर्डर पर जो मंजर दिखाई पड़ा, उसको देखते हुए ही केंद्रीय व राज्य प्रशासन को प्रवासी मजदूरों की लाचारी और बेचैनी का अंदाज हो जाना चाहिए था, लेकिन प्रशासन के पास तब सख्ती बरतने के अलावा दूसरी कोई त्वरित योजना नहीं थी। और यह स्थिति तब थी, जब सरकारें अच्छी तरह से जान रही थीं कि देश में करोड़ों-करोड़ कामगार दूसरे प्रदेशों में जाकर अपनी रोजी-रोटी कमाते हैं, बल्कि उनमें से लाखों की रातें फुटपाथों पर गुजरती हैं। जाहिर है, हजारों की तादाद में लोग अपने मूल निवास की ओर निकलने लगे और प्रशासन उनकी संख्या के आगे बेबस पड़ता गया। आज करीब ढाई महीने बाद आला अदालत ने जब इन मजदूरों के हक में अपना फैसला सुनाया है, तब तक लाखों कामगार सैकड़ों किलोमीटर की पीड़ादायक यात्रा करके या श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से अपने-अपने घर पहुंच चुके हैं। प्रवासी मजदूरों की इस हालत के बरअक्स हमारे सामने आज जो तथ्य हैं, वे बता रहे हैं कि हम लॉकडाउन का अपेक्षित लक्ष्य नहीं हासिल कर पाए। जिन देशों ने कोरोना की जंग में लॉकडाउन को एक कारगर हथियार के रूप में इस्तेमाल किया, वहां शासन-प्रशासन ने सबसे पहले इससे प्रभावित होने वाली जनता की बुनियादी जरूरतों का संजीदगी से ख्याल रखा। निस्संदेह, हम जैसी विशाल आबादी के लिए यह आसान काम नहीं है, लेकिन हमारा जोखिम भी तो छोटा नहीं है। हम दुनिया के उन शीर्ष देशों में आ गए हैं, जहां वायरस का संक्रमण सबसे ज्यादा है। मौजूदा स्थिति में प्रवासी मजदूरों की दुश्वारियां और न बढ़ें, इस लिहाज से सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप सराहनीय है। अदालत ने उन कामगारों की भी सुध ली है, जो अपने कार्यस्थल पर लौटना चाहते हैं। उनके बगैर आर्थिक गतिविधियां पटरी पर लौट भी नहीं सकतीं। लेकिन उन्हें अब काफी सतर्कता बरतनी पड़ेगी, इसके लिए उनकी कौंसिलिंग जरूरी है। अदालत ने लॉकडाउन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले श्रमिकों के खिलाफ दायर सभी मुकदमों को खत्म करने का जो आदेश दिया है, उसकी भी सराहना की जानी चाहिए। बेबस लोगों के साथ इंसाफ का यही तकाजा था, और यकीनन इंसानियत का भी।

आज के ट्वीट

सराहनीय

कोरोना महामारी व लॉकडाउन के कारण बेरोजगार व बेसहारा होकर जैसे-तैसे हजारों किलोमीटर दूर घर वापसी करते समय नियमों का अक्षरश: पालन नहीं कर पाने वाले मजलूम प्रवासी श्रमिकों के विरूद्ध जो मुकदमे दर्ज किए गए हैं उन्हें वापस लेने का मा. सुप्रीम कोर्ट का आदेश सही, सामयिक व सराहनीय। --मायावती

शासन में विशेषज्ञों की भूमिका का वक्त

गुरबचन जगत

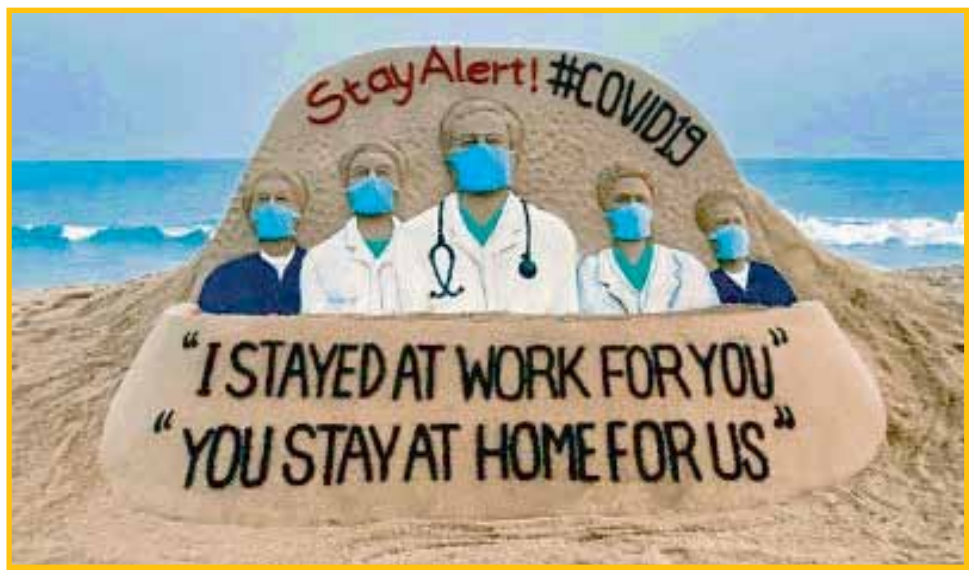

पिछले कुछ सालों से दूर क्षितिज पर उमड़ते स्याह भयावह बादल दिखाई दे रहे थे लेकिन वर्तमान में सिर पर छाए मुसीबतों के काले मेघ अत्यंत चिंतनीय हैं। हालात बहुत तेज गति से बदले हैं और भारत सरकार के प्रयासों के बावजूद मुश्किलें हम पर हावी होती प्रतीत हो रही हैं। आज हमारी आर्थिकी अधोगति की तरफ है, पूरा देश कोविड-19 वायरस की वजह से की गई तालाबंदी भुगत रहा है और अनियंत्रित हो चुका मजदूर-पलायन अभी भी जारी है। मानो यह सब काफी न था कि लद्दाख सीमा पर चीन ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी है, पाकिस्तान के समर्थन वाला आतंकवाद कश्मीर में पहले से जारी है, अब नेपाल भी भारत से अपने कुछ इलाके वापस करने को कहने लगा है। देश के अंदर भी कुछ सूबे केंद्रीय सरकार से नाखुश हैं, खासकर वित्तीय मामलों में। इस चुनौती से निपटना देश के लिए जरूरी बन गया है। भारत सरकार का प्रशासनिक तंत्र अत्यंत विशाल है, जिसमें अनेकानेक विभाग अलग-अलग विषयों से संबंधित काम-काज देखते हैं। इस ढांचे में विभिन्न स्तरों पर अलहदा ढंग-मिजाज़ के मंत्री एवं नौकरशाह आसीन रहते हैं जबकि कामकाज सुचारु करने के लिए टीम भावना की जरूरत रहती है, जिसके तहत हरेक सदस्य को अपनी पूरी कार्यकुशलता से योगदान करना अपेक्षित होता है। हमारे संसदीय लोकतंत्र में राजनीतिक दल चुनावों के लिए अपने प्रत्याशी का चयन करते हैं, लेकिन चयन के वक्त उनकी गुणवत्ता और शैक्षिणक योग्यता पर ध्यान नहीं दिया जाता। केवल उसका जिताऊ होना ही मुख्य कारक है और उम्मीदवार के धन-बाहुबल, संप्रदाय और जाति इत्यादि से जोड़कर देखा जाता है। दुर्भाग्यवश अपराधी और अन्य नागवार श्रेणी वाले तत्वों के पास उपरोक्त 'गुण' अधिक होते हैं और इनमें कइयों को टिकट मिल जाता है और वे जीत भी जाते हैं। लिहाजा, इससे काफी पढ़े-लिखे और भले लोगों के लिए चुनावी परिदृश्य में जगह बहुत कम रह जाती है। फिर आगे सरकार बनाने में मंत्रियों का चयन बहुत कठिन हो जाता है और इस तथ्य के मद्देनजर कि हमारे यहां आभासीय मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) की रिवायत नहीं है, इसलिए हमारे पास चुनकर आने वालों में कुछ ही सांसद ऐसे होते हैं जिन्हें किसी विषय व क्षेत्र में महारत हासिल होती है, वरना ऐसी सूरत में वे उस विभाग विशेष के लिए खुद-ब-खुद पहली पसंद बन जाते। नतीजा यह कि जिनको मंत्री बनाया जाता है उन्हें अपने विभाग का इल्म तक नहीं और यह नितांत बेमेल इंतजाम है। इसके अतिरिक्त काबीना बनाने की प्रक्रिया में सभी संप्रदायों, समूहों, जातियों को प्रतिनिधित्व देना एक अहम हिस्सा बना दिया गया है। अंतत- हमारे पास ऐसे मंत्री बहुत कम ही होते हैं जिन्हें खुद को मिले विभाग की गहरी जानकारी होती है, अतएव वे नौकरशाहों पर बेतरह आश्रित होते हैं। खुद नौकरशाहों के वर्ग में भी ज्यादातर ऐसे हैं, जिसके पास आमतौर पर किए जाने वाले प्रबंधन का अनुभव ही होता है। तिस पर अगर शीर्ष पर बैठा व्यक्ति संगठन के लिहाज से शक्तिशाली होता है, तो मंत्री हो या अफसर, हर कोई उससे आने वाले संकेत का इंतजार करता रहता है, यह भांपते हुए कि हवा किस ओर बह रही है, ये लोग भी अपना रुख उसी तरफ कर देते हैं। ड्डगौरतलब है कि चाहे यह खेल का मैदान हो या प्रशासन चलाना, सभी सुखद परिणाम संयुक्त उद्यम द्वारा प्राप्त होते हैं, और अगर टीम का काम देश चलाने जैसे बड़े महत्व का हो, तो जरूरी बन जाता है कि इसके सभी सदस्य समर्थ, समझदार और ईमानदार सोच रखने वाले हों। क्या प्रशासन में इस किस्म के लोग अधिसंख्या में हैं या फिर किसी एक समर्थ को अन्य कइयों के काम का बोझ अपने सिर लेना पड़ रहा है? नहीं, हमारे पास इस तरह के लोग प्रशासन व्यवस्था में पर्याप्त मात्रा में नहीं हैं। हमारी राजनीति भी यह करने की इजाजत नहीं देती। आज भारत जैसे विशालकाय और ज्यादा जनसंख्या घनत्व वाले देश का प्रशासन चलाना बहुत जटिल है और इसके लिए तकनीकी विशेषज्ञता होना जरूरी है, ऊपर से हमें दुनिया के सबसे श्रेष्ठ उन्नत मुल्कों से प्रतिस्पर्धा करनी है। आज जबकि हमारे सामने समस्याओं का अम्बार लगा है, उनसे निपटने हेतु प्रशासन में सर्वश्रेष्ठ लोग होने जरूरी हैं। हमारी काबीना में ऐसा अर्थशास्त्री मंत्री के रूप में होना चाहिए, जिसके पास आधुनिक काल की आर्थिकी जटिलताओं को वैश्विक संदर्भ में समझने की महारत हो, मंत्री के रूप में ऐसा सुरक्षा मामलों का विशेषज्ञ और विश्लेषक हो, जो दुनिया में बने नए 'महान खेल' के मद्देनजर हमारे मुल्क को पैदा होने वाले खतरों की समझ रखता हो और उसके मुताबिक सामरिक नीतियां बना सके। इसी तरह हमें विदेश, उद्योग और आईटी मंत्रालयों में भी इन विषयों में विशेषज्ञ रखने वाले लोगों की जरूरत खासतौर पर है। देश को दरपेश अंदरूनी और बाहरी समस्याओं से निपटने के लिए हमें विशिष्ट गुणों से परिपूर्ण और प्रशासनिक अनुभवों वाले विशेषज्ञों की जरूरत है, जो न केवल दूरंदेश बल्कि क्रियाशील भी हों। सवाल है कि योग्य लोग अपनी मातृभूमि को सर्वश्रेष्ठ बनाने की खातिर आगे आएंगे? इन्हें हम ढूंढ़ेंगे कहां? तो ये लोग विश्वविद्यालयों, निजी क्षेत्र, अनिवासी भारतीयों के बीच, सेवारत नौकरशाहों में हैं या राजनयिक, अर्थशास्त्री, सुरक्षा नीति के विचार-मंचो में मौजूद हैं या फिर उद्यमियों, आईटी के जादूगरों, अनुसंधानकर्ता, अंतरिक्ष वैज्ञानिक और अंत में अन्य राजनीतिक दलों में मिलते हैं। इसलिए हमारे पास मानवीय संसाधन भरपूर हैं, बस इनका सरकार में समुचित उपयोग कैसे किया जाए? हमारे सामने यूके का उदाहरण है। वर्ष 1931-45 के बीच वहां एक व्यवस्था बनाई गई थी, जिसे राष्ट्रीय सरकार का नाम दिया गया था, यह सभी मुख्य राजनीतिक दलों का गठबंधन था और इसका गठन पिछले कुछ समय पहले आई आर्थिक महामंदी और विश्वयुद्धों के बाद बने दुष्प्रभावों से निपटना था। इसी किस्म का उदाहरण अमेरिका का है, जहां देखा गया कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूज़वेल्ट ने राष्ट्रीय सरकार बनाने की शुरुआत संसद के दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में एकता बनाने की अपील करके की थी, लिहाजा पूरे युद्ध के दौरान राष्ट्रपति, संसद का ऊपरी व निचला सदन और पूरा देश मजबूत इकाई की तरह एकजुट हो खड़ा रहा था। अमेरिकी व्यवस्था में इस बात की इजाजत है कि जरूरत पड़ने पर सांसदों से इतर अनेक बाहरी विभागाध्यक्षों को प्रशासन में शामिल किया जा सकता है। यानी संकट की घड़ी में बड़ी संख्या में ऐसे विशेषज्ञ सरकारी कामकाज चलाने के लिए बाहर से लिए गए थे और अपना काम खत्म करने के बाद वे फिर से मूल स्थानों पर लौट भी गए थे।

ज्ञान गंगा

योग

सद्गुरु

जैसे ही आप खुद को उन सब चीजों से जुड़ा हुआ मानती हैं, जो आप नहीं हैं, तो आप इन विचारों को नहीं रोक सकती। भौतिक शरीर से शुरू करके जो एक गठरी है, मन, भावनाएं, चीजें, लोग, आपने इतनी सारी झूठी पहचानें जोड़ ली हैं कि उनका सिलसिला कभी खत्म ही नहीं होता। 'लोग इन झूठी पहचानों के साथ अपने संबंधों को समझ नहीं पाते। आप इस हाल में खुशी पा सकती हैं। बाहरी स्थितियों के कारण आपको थोड़ा आनंद मिल सकता है, पर अधिकतर लोगों के लिए स्वयं में रहकर पूरी तरह आनंदमय होना संभव नहीं हो पाता। इस स्थिति में आनंद कुछ बाहरी चीजों के कारण है, आपका अपना नहीं। लेकिन आप केवल भौतिक सुख चाहती हैं तो थोड़े-बहुत नियंत्रण से काम चल जाएगा और इसको हासिल करना बड़ा सरल है। 'मुझे अभी भी लगता है कि केवल आरामदेह जीवन जीने की कोशिश करके हम अपना मूल्य घटा रहे हैं, मैंने कहा। 'अपने तन-मन पर थोड़े-से नियंत्रण से ही आप ये सब चीजें आसानी से पा सकती हैं। यदि आप अपनी जीवन-ऊर्जा को एक निश्चित स्तर से ऊपर उठाकर तीव्र कर लें तो ये आपके तन और मन से अधिक प्रबल हो जाएगी और तब आप बिना मेहनत के अपना मनचाहा रच पाएंगी। अपना जीवन उस पर जरा भी खपाए बिना संसार की हर मनचाही भौतिक वस्तु आपके कदमों में होगी। इसमें आपका जरा भी समय नष्ट नहीं होगा। सफल लोग वे होते हैं, जो अपने मन पर कुछ हद तक नियंत्रण कर पाते हैं। वे किसी भी काम में खुद को एक विशेष रूप में दूसरों से अधिक लगा पाते हैं। वैसे सबसे अच्छा तो यह होगा कि आप चाहने की विवशता के पार निकल जाएं, वरना आप बहुत-सी गैर-जरूरी चीजों का निर्माण कर इस धरती का संतुलन बिगाड़ देंगी,' सद्गुरु ने कहा। निश्चित रूप से मैं बड़ी-बड़ी चीजें नहीं कर पाई थी। सद्गुरु मुझे याद दिला रहे थे कि मेरे स्वास्थ्य में इतना सुधार कितनी महत्वपूर्ण बात है। मैं उसका मूल्य कम नहीं करना चाहती थी। यदि आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो उस पर सबसे पहले ध्यान देना होता है। शक्तिहीन और पीड़ा से कराहते रहने के कारण ईशा के अभ्यास मेरे लिए शुरू में बड़े मुश्किल होते थे। अब उस समस्या के न होने के कारण मैं योग के सूक्ष्म आयामों को और अधिक अनुभव कर पा रही हूं।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

खाद्यान्न की बेकद्री का अंतहीन सिलसिला

प्रमोद भार्गव

इस बार पूरे देश में 29.19 करोड़ टन अनाज का उत्पादन हुआ है। यह आबादी की जरूरत से 7 करोड़ टन ज्यादा है। मध्य-प्रदेश में भी इस साल गेहूं की जबरदस्त पैदावार हुई है। समर्थन मूल्य पर 1 करोड़ 25 लाख 88 हजार 986 टन गेहूं खरीदा जा चुका है। लेकिन इसके भंडारण का संकट पैदा हो गया है। करीब 11 लाख टन गेहूं खुले में पड़ा है। निसर्ग तूफान के प्रभाव के चलते हुई बारिश से खुले में पड़ा गेहूं बड़ी मात्रा में खराब हो गया है। सरकार का दावा है कि महज 0.13 प्रतिशत गेहूं ही खराब हुआ है। इस भीगे गेहूं का भी सुखाकर भंडारण किया जा रहा है। दरअसल, पूरे देश में इस बारिश से गेहूं भीगा है। देश के गोदाम पहले से ही भरे पड़े हैं। मध्य-प्रदेश के गोदामों में ही गेहूं, चना, मूंग, धान सहित दो करोड़ टन अनाज भरा पड़ा है। अतिरिक्त अनाज को भरने के लिए न तो बोरों का प्रबंध है और न ही गोदामों में जगह? इसके भंडारण के लिए जिला कलेक्टर रेलवे स्टेशन, हवाई पट्टी और मंडी के टीनशेडों में जगह तलाश रहे हैं। उज्जैन कलेक्टर ने हवाई पट्टी पर गेहूं के भंडारण की अनुमति नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मांगी है। जब पता है कि हर साल खरीद होनी है तो फिर इसका प्रबंध पहले से क्यों नहीं किया जाता? देश में किसानों की मेहनत और जैविक व पारंपरिक खेती को बढ़ावा देने के उपायों के चलते कृषि पैदावार लगातार बढ़ रही है। हरियाणा-पंजाब ही गेहूं उत्पादन में अग्रणी नहीं हैं, अब मध्य-प्रदेश, बिहार, उत्तर-प्रदेश और राजस्थान में भी गेहूं की रिकार्ड पैदावार हो रही है। इसमें धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, दालें और मोटे अनाज व तिलहन शामिल हैं। इस पैदावार को 2020-21 तक 28 करोड़ टन तक पहुंचाने का सरकारी लक्ष्य था, जो इस बार 29.19 करोड़ टन अनाज पैदा करके पूरा कर लिया गया है। लेकिन पूरा देश बारदाना और इसके भंडारण के संकट से जूझ रहा है। बारदाना उपलब्ध कराने की जवाबदारी केंद्र सरकार की है, लेकिन यह कोई बाध्यकारी नहीं है। राज्य सरकारें चाहें तो वे भी बारदाना खरीद सकती हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज की पूरे देश में एक साथ खरीद, भंडारण और फिर राज्यवार मांग के अनुसार वितरण का दायित्व भारतीय खाद्य निगम के पास है। जबकि भंडारों के निर्माण का काम केंद्रीय भण्डार निगम संभालता है। इसी तर्ज पर राज्य सरकारों के भी भण्डार निगम हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि आजादी के 72 साल बाद भी बढ़ते उत्पादन के अनुपात में केंद्र और राज्य दोनों ही स्तर पर अनाज भंडारण के मुकम्मल इंतजाम नहीं हुए हैं। एफसीआई की कुल भंडारण क्षमता बमुश्किल 738 करोड़ टन है। इसमें किराए के भंडार गृह भी शमिल हैं। यदि सीडब्ल्यूसी और निजी गोदामों को भी जोड़ लिया जाए तो यह क्षमता 12.5 करोड़ टन अनाज-भंडारण की है। किसानों के वोट के लालच में राज्य सरकारें जिस हिसाब से समर्थन मूल्य पर अनाज की खरीद कर रही हैं, उस कारण कई करोड़ टन अतिरिक्त अनाज खरीद लिया जाता है। नतीजतन समुचित भंडारण नामुमकिन हो जाता है। केन्द्र सरकार यदि दूरदृष्टि से काम लेती तो गोदामों में पहले से भरे अतिरिक्त अनाज को निर्यात करने की छूट दे सकती थी? इससे जहां गोदाम खाली हो जाते, वहीं व्यापारियों को दो पैसे कमाने का अवसर मिलता? यदि इसी अनाज को पंचायत स्तर पर मध्याह्न भोजन, बीपीएल एवं एपीएल कार्डधारियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए स्थानीय स्तर पर ही सस्ती दरों में उपलब्ध करा दिया जाता तो भंडारण की समस्या कम हो जाती? किंतु ऐसा लगता है सड़े अनाज से शराब बनाने वाली कंपनियों की राह खोली जा रही है। भंडारण की ठीक व्यवस्था न होने के कारण कई साल से डेढ़ से दो लाख टन अनाज खराब हो रहा है। इस अनाज से एक साल तक दो करोड़ से भी ज्यादा लोगों को भोजन कराया जा सकता है। अनाज गोदामों की कमी की बजाय भंडारण में बरती जाने वाली लापरवाहियों के चलते भी होता है। दरअसल, कई मर्तबा एफसीआई अपने गोदाम बहुराष्ट्रीय कंपनियों को किराए पर उठाने को दे देती है। दरअसल, कृषि एवं खाद्य आपूर्ति मंत्रालय की अनाज भंडारण से लेकर वितरण तक की नीतियां परस्पर विरोधाभासी हैं। यदि भारतीय खाद्य निगम विकेंद्रीकृत खाद्य नीति अपनाए तो ग्राम स्तर पर भी अनाज भंडारण के श्रेष्ठ उपाय किए जा सकते हैं। स्थानीय स्तर पर भारतीय ज्ञान परंपरा में ऐसी अनूठी भंडारण की तकनीकें प्रचलन में हैं, जिनमें रखा अनाज बारिश, बाढ़, चूहों व कीटाणुओं से बचा रहता है। अनाज-भंडारण की एक नई तकनीक भी कुछ साल पहले ईजाद हुई है। इस तरकीब से वायुरहित ऐसे पीपे (सोलो बैग) तैयार किए गए हैं, जिनमें अनाज का भंडारण करने से अनाज पानी व कीटों से शत-प्रतिशत सुरक्षित रहता है। गांव में अनाज खरीदकर एफसीआई उसके भंडारण की जिम्मेदारी किसानों को सौंप सकती है। सरकार प्रति वर्ष करीब 584 रुपए प्रति क्विंटल खाद्यान्न, फल और सब्जियों के रखरखाव पर खर्च करती है। लेकिन भंडारण में किसान की कोई भूमिका तय नहीं है। बहरहाल, पंचायत स्तर पर भंडारण को नीतिगत मूर्त रूप दिया जाता है तो कालाबाजारी और भ्रष्टाचार की आशंकाएं भी नगण्य रह जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

नाइट, हैरिस उप उपाध्यक्ष के रूप में पीसीए से जुड़े

लंदन ।

इंग्लैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हीथर नाइट और मिडलसेक्स के आलराउंडर जेम्स हैरिस को पेशेवर क्रिकेटर्स संघ (पीसीए) का उप उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। दोनों खिलाड़ी अब पीसीए बोर्ड में अपना पदभार संभालेंगे और चेयरमैन डेरील मिशेल को सपोर्ट करेंगे, जोकि पीसीए प्लेयर्स समिति का नेतृत्व करते हैं। 29 साल की नाइट 2016 से ही इंग्लैंड की कप्तान हैं और 2017 में अपनी कप्तानी में वह इंग्लैंड को विश्व कप जिता चुकी हैं। 30 साल के हैरिस ने 16 साल की उम्र में अपना पदार्पण किया था। उन्होंने 13 साल के अपने अब तक के करियर में 261 मैचों में 620 विकेट लिए हैं। हैरिस 2017 में प्लेयर्स समिति से जुड़े थे। पीसीए की पहली बैठक अगले महीने जुलाई में होनी है, जिसमें नाइट और हैरिस भाग लेंगे।

बीसीसीआई श्रीलंका दौरे को लेकर देखो और इंतजार करो की मुद्रा में

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अगस्त में श्रीलंका दौरे पर प्रस्तावित सीमित ओवरों की सीरीज को लेकर वह अभी भी देखो और इंतजार करो की नीति पर चल रहा है। कोरोनावायरस महामारी को देखते हुए बोर्ड ने साफ कर दिया है कि वह सरकार के दिशानिर्देशों का पालन करेंगे, क्योंकि उनके लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि सीरीज पर अभी भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी, क्योंकि यह अभी दो महीने दूर है। अधिकारी ने कहा, इस समय हम देखो और इंतजार करो की नीति पर चल रहे हैं। यह अभी भी दो महीने दूर है। जैसा कि हम पहले ही कह चूके हैं और अभी भी कह रहे हैं कि खिलाड़ियों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इस मामले में हम सरकार के दिशानिर्देशों को मानेंगे। इस सवाल पर जवाब देना जल्दबाजी होगा कि यह दौरा होगा या नहीं। अभी हमने कोई फैसला नहीं लिया है। श्रीलंका की आइसलैंड न्यूजपेपर्स की रिपोर्ट के अनुसार, बीसीसीआई ने श्रीलंकाई बोर्ड पुष्टि की थी कि स्थगित हुई सीरीज सरकार से हरी झंडी मिलने के बाद हो सकती है। श्रीलंका दौरे पर भारत को तीन वनडे और इतने ही टी मैच खेलने का कार्यक्रम है। यह सीरीज जून में होनी थी, लेकिन दोनों देशों की यात्रा प्रतिबंधों के कारण इसे स्थगित कर दी गई थी। यह पूछे जाने पर कि क्या सीरीज खाली स्टेडियम में खेली जाएगी, अधिकारी ने कहा कि यह कुछ ऐसा है, जोकि श्रीलंका क्रिकेट नहीं चाहता है। उन्होंने कहा, हम स्टेडियम को 30 से 40 फीसदी तक भरना चाहते हैं। दर्शक एक मीटर की दूरी बनाकर मैच देख सकते हैं। हालांकि इस पर अंतिम फैसला स्वास्थ्य अधिकारी लेंगे। हम उनके निर्देशों का पालन करेंगे।

महिला टीम के दौरे के लिए ईसीबी से बात कर रही है बीसीसीआई

नई दिल्ली ।

महिला टीम के इंग्लैंड दौरे के लिए बीसीसीआई, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से चर्चा कर रही है। इससे पहले दोनों टीमों को जुलाई में तीन मैचों की वनडे और इतने ही मैचों की टी-20 सीरीज खेलनी थी जो कोविड-19 के कारण स्थगित कर दी गई थी। बीसीसीआई क्रिकेट संचालन के महानिदेशक सबा करीम ने आईएएनएस से कहा, हमें जुलाई में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना था। वो स्थगित हो गया है और अब हम नई तारीखों का इंतजार कर रहे हैं। यह सीरीज कब हो सकती है, इसे लेकर बात चल रही है। उन्होंने कहा, हालांकि अभी तक कुछ भी तय नहीं हुआ है। ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी टॉम हैरीसन ने हालांकि कहा है कि वह बीसीसीआई और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से त्रिकोणीय सीरीज को लेकर चर्चा कर रहे हैं। हैरीसन ने टफर्स एंड वॉन पोडकास्ट पर कहा, हम बीसीसीआई और सीएसए से उनकी महिला टीमों को यहां त्रिकोणीय सीरीज के लिए भेजने पर बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस साल सितंबर में महिला क्रिकेट को लेकर हमारे पास कुछ होगा। हम लय को बनाए रखना चाहते हैं। बीते कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट नेअच्छी खासी तरक्की हासिल की है।

वेगास में मुक्केबाजी की वापसी, स्टीवेन्सन ने कारबालो को नॉकआउट किया

लास वेगास। शकूर स्टीवेन्सन ने वेगास में मुक्केबाजी की वापसी पर फिर से अपना दबदबा दिखाते हुए मंगलवार की रात को फेलिक्स कारबालो को छठे राउंड में ही नॉकआउट कर दिया। कोरोना वायरस महामारी के फैलने के बाद यह उत्तरी अमेरिका में आयोजित पहला प्रमुख मुक्केबाजी मुकाबला था। अब तक 14-0 का रिकार्ड रखने वाले डब्ल्यूबीओ फीदरवेट चैंपियन स्टीवेनसन यहां पहुंचने के बाद से ही मुकाबले तक पृथकवास में रहकर अभ्यास कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने प्यूर्टोरिको के अनुभवी मुक्केबाज के खिलाफ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। अमेरिका के ओलंपिक रजत पदक विजेता स्टीवेनसन शुरू से ही कारबालो पर हावी हो गए और उन्होंने किसी भी समय अपने प्रतिद्वंद्वी को मौका नहीं दिया। पांचवें राउंड में उनके बाएं हाथ पर चोट भी लगी लेकिन वह छठे राउंड में ही मुकाबला समाप्त करने में सफल रहे।

बीडब्ल्यूएफ ने कोविड-19 महामारी के कारण स्विस ओपन और यूरोपीय चैंपियनशिप रद्द की

नयी दिल्ली.

कोरोना वायरस महामारी का अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन कार्यक्रम पर असर जारी है और अब विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) इस साल उपयुक्त तारीखें नहीं मिलने के बाद बुधवार को स्विस ओपन और यूरोपीय चैंपियनशिप रद्द कर दी। बीडब्ल्यूएफ ने विज्ञप्ति में कहा, ''इस साल बैडमिंटन टूर्नामेंटों के कार्यक्रम में फिर बदलाव किया गया है और योनेक्स स्विस ओपन 2020 और 2020 यूरोपीय चैंपियनशिप अब रद्द कर दी गई हैं।'' विज्ञप्ति के अनुसार, ''इन दोनों टूर्नामेंटों को पहले वैकल्पिक तारीख मिलने तक स्थगित किया गया था।'' एचएसबीसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर सुपर 300 प्रतियोगिता स्विस ओपन का आयोजन 17 से 22 मार्च तक होना था लेकिन महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''बीडब्ल्यूएफ स्विस बैडमिंटन और टूर्नामेंटों आयोजकों से सलाह मशविरे और आपसी सहमति के बाद निष्कर्ष पर पहुंचा है कि 2020 में बाद की किसी तारीख में टूर्नामेंट का आयोजन व्यावहारिक नहीं होगा। '' भारत के बी साई प्रणीत 2019 स्विस ओपन के पुरुष एकल में उप विजेता रहे थे। वह फाइनल में चीन के शी युकी से हार गए थे। यूरोपीय चैंपियनशिप का आयोजन भी 21 से 26 अप्रैल तक किया जाना था लेकिन इसे पहले स्थगित और अब रद्द कर दिया गया है। बीडब्ल्यूएफ ने कहा,

''बैडमिंटन यूरोप और युक्रेन बैडमिंटन महासंघ भी सहमत हो गए हैं कि कीव में होने वाली 2020 यूरोपीय चैंपियनशिप को रद्द करना सर्वश्रेष्ठ रहेगा।'' उन्होंने कहा, ''युक्रेन बैडमिंटन महासंघ 2021 टूर्नामेंट की मेजबानी के लिए सहमत हो गया है और इसका आयोजन युक्रेन के उसी शहर में 27 अप्रैल से दो मई 2021 तक होगा।''

बीडब्ल्यूएफ ने अगले साल के पहले से 17वें हफ्ते को ओलंपिक क्वालीफिकेशन समय में शामिल किया है और ऐसे में यूरोपीय चैंपियनशिप के तोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन का हिस्सा होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

Golf : चार्ल्स श्वाब चैलेंज से शुरू होगा पीजीए टूर

फोर्ट वर्थ (अमेरिका) ।

कोविड-19 महामारी के कारण तीन महीने तक बंद रहने के बाद वीरवार से शुरू होने वाले चार्ल्स श्वाब चैलेंज गोल्फ टूर्नामेंट के जरिए पीजीए टूर की शुरुआत होगी। इस टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ शीर्ष गोल्फर भी हिस्सा ले रहे हैं। प्लेयर्स चैंपियनशिप के रद्द होने के बाद पिछले 91 दिन से गोल्फ प्रतियोगिताएं ठप्प पड़ी हैं। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जबकि इतने दिनों तक किसी गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन नहीं किया गया। फेडएक्स कप में अभी शीर्ष पर चल रहे सुंगजेई आइएम के अलावा विश्व के चोटी के पांच खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखायी देंगे। पीजीए टूर आयुक्त जे मोनाहन ने कहा- ऐसे समय में भावनाओं का ज्वार उमड़ता है लेकिन सबसे महत्वपूर्ण यह है कि मैं बेहद उत्साहित हूं। कोरोना वायरस को लेकर भी तैयारियां की गई है। सैनफोर्ड हेल्थ लैब टेक्नीशियन ने एक परीक्षण इकाई स्थापित की है जो कुछ घंटों में ही परिणाम दे देगी। खिलाडियों का टूर्नामेंट के लिये यहां पहुंचने के तुरंत बाद परीक्षण किया जाएगा।

रोजर फेडरर फिर चोटिल, अब अगले साल ही कर पाएंगे वापसी

लंदन । दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर घुटने के आपरेशन के कारण इस साल किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्हें अगले साल सत्र के शुरू में वापसी की उम्मीद है। फेडरर ने ट्विटर पर बयान जारी करके कहा कि वह 2020 के सत्र में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वह अब भी घुटने की चोट से परेशान हैं। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी के इस बयान के बाद उनके संन्यास लेने की अटकलें तेज हो सकती हैं। फेडरर ने फरवरी में अपने दाएं घुटने का आपरेशन करवाया था लेकिन यह पूरी तरह से सफल नहीं रहा और उन्हें कुछ महीनों बाद ही दोबारा आपरेशन करवाना पड़ा था। स्विटजरलैंड के इस स्टार ने बयान में कहा- कुछ सप्ताह पहले रिहैबिलिटेशन के शुरुआती चरण में मुझे परेशानी महसूस हुई और मुझे तुरंत ही अपने दाएं घुटने की फिर से आर्थोस्कोपिक सर्जरी करानी पड़ी। उन्होंने कहा- अब ठीक जिस तरह से मैंने 2017 से पहले किया था, उसी तरह से मैंने शीर्ष स्तर पर खेलने के लिए शत प्रतिशत फिट होने के लिए पर्याप्त समय लेने की योजना बनाई है। फेडरर को पहले आपरेशन के कारण चार महीने तक बाहर रहना था लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण टूर्नामेंट रद्द या स्थगित कर दिए गए जिनमें विंबलडन और फ्रैंच ओपन भी शामिल हैं। अब अगर यूएस ओपन और सितंबर में फ्रैंच ओपन का आयोजन होता है तो फेडरर उनमें नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं 2021 के सत्र के शुरू में सभी को वापस टूर में देखने के लिए उत्सुक हूं। फेडरर ने अपना आखिरी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट 2018 में आस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में जीता था। उनके नाम पर पुरुष वर्ग में सर्वाधिक 20 एकल ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकार्ड है। उनके बाद राफेल नडाल (19) और नोवाक जोकोविच (17) का नंबर आता है।

टोक्यो में जितना संभव हो, छोटी चीजों पर ध्यान : मनप्रीत

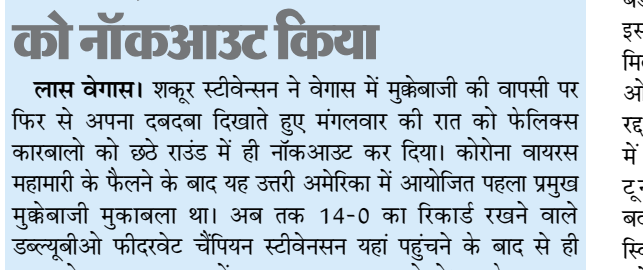

बेंगलुरु ।

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) सेंटरों में हॉकी पिचों पर फिर से अभ्यास करना शुरू कर दिया है। राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान करीब दो महीने तक घरों में रहने के बाद कप्तानों ने कहा कि सावधानीपूर्वक फिर से धीरे-धीरे अभ्यास करना शुरू कर दिया है। पुरुष हॉकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह ने कहा, हम सभी पिछले दो महीनों से अपने हॉस्टल में कुछ बुनियादी फिटनेस अभ्यास कर रहे थे। हम पिच पर लौटते समय कठोर नहीं थे, लेकिन हम इसे धीरे-धीरे ले रहे हैं। हम अपने शरीर पर बहुत अधिक दबाव डाले बिना इसे एक बहुत ही आसान तरीके से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि खिलाड़ी अब सामाजिक दूरी को लेकर काफी सतर्क हो गए हैं। कप्तान ने कहा, सामाजिक दूरी को सुनिश्चित करते हुए छोटे छोट समूहों में हमारे सत्र आयोजित किए गए हैं। लेकिन अब सबकुछ बदल गया है। मैदान में प्रवेश करने से पहले खिलाड़ी अब सैनिटाइजर से अपने हाथ को रगड़ते हैं। साथ ही वे अपना खुद का बोटल रखते हैं और ब्रेक के दौरान उसका इस्तेमाल करते हैं। वे इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि वे किसी दूसरे के साथ इसे साझा न करें। मनप्रीत ने कहा, साथ ही हम नियमित तौर पर अपनी स्टिक की ग्रीप को बदलते हैं और हर सत्र के बाद हमारा तापमान रिकॉर्ड किया जाता है। यह हमारे लिए न्यू नॉर्मल की तरह है और हमें इसे मानने की जरूरत है।

विराट, स्मिथ का पूरे विश्व में दबदबा दिखाया है : फिंच

मेलबर्न ।

आस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान एरॉन फिंच ने कहा है कि विराट कोहली और स्टीव स्मिथ पूरे विश्व में किसी भी स्थिति में बेहतरीन बल्लेबाजी कर सकते हैं और यही बात उन्हें बाकी बल्लेबाजों से अलग करती है। फिंच ने स्पोर्ट्स तक को दिए इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में विराट और स्मिथ का रिकार्ड घर और बाहर दोनों जगह शानदार है। कुछ साल पहले विराट को इंग्लैंड में जेम्स एंडरसन के सामने परेशानी हुई थी, लेकिन 2018 में उन्होंने वापसी की और सीरीज में अपना दबदबा दिखाया। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो स्मिथ ने अभी तक कहीं भी संघर्ष नहीं किया है। वह बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ी हैं। एक जो चीज है इन दोनों में जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करती है वो यह है कि यह लोग पूरे विश्व में अपना दबदबा दिखाते हैं। उन्होंने कहा, अपने देश में दबदबा दिखाना अलग बात है, क्योंकि पिचों पर आप सहज होते हो। पूरे विश्व में ऐसा प्रदर्शन करना बेहद शानदार है। कई बार वो जल्दी आउट हो जाते हैं लेकिन यह क्रिकेट है। लेकिन ऐसा कम होता है। जब वो खेलते हैं तो लंबा खेलते हैं।

ओलम्पिक में विरोध प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर जारी बैन : रिपोर्ट

लंदन। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि भविष्य में ओलम्पिक खेलों के दौरान प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों पर बैन का नियम जारी रहेगा। अमेरिका में अश्वेत शख्स जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद कई जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जर्मन लीग में भी कुछ फुटबाल खिलाड़ियों ने मैदान पर जॉर्ज को श्रद्धांजलि दी। 46 साल के जॉर्ज की 25 मई को पुलिस हिरासत में मौत हो गई थी। डेली टैलीग्राफ में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, आईओसी ने गाइडलाइंस के नियम 50 का जिक्र करते हुए कहा है कि वह खेलों के महाकुंभ को तटस्थ तौर पर देखना चाहती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बेशक टोक्यो ओलम्पिक अगले साल तक के लिए स्थगित हो गए हैं लेकिन इन खेलों से संबंधी जनवरी में जो गाइडलाइंस बनाई गई थीं वो जारी रहेंगी। आईओसी एथलीट कमिशन द्वारा बनाई गई गाइडलाइंस के नियम 50 के मुताबिक, ओलम्पिक स्थल पर किसी भी तरह के राजनैतिक, धार्मिक, नस्लीय प्रदर्शन की मंजूरी नहीं है। इसका मतलब है कि एनएफल के कोलिन काएपेर्निक द्वारा नस्लवाद के खिलाफ अमेरिका में किया जा रहा विरोध प्रदर्शन अगर ओलम्पिक में किया जाता है तो वह सजा योग्य होगा।

मुझे लगता है, भगवान ने मुझे खेल के लिए चुना : मैरी कॉम

नई दिल्ली।

मैरी कॉम बीते एक दशक से भारतीय मुक्केबाजी का चेहरा हैं। उन्हें सर्वकालिक महान एमेच्योर मुक्केबाजों में गिना जाता है। वह हालांकि अभी भी इस बात को लेकर हैरान होती हैं कि वह खेल की दुनिया में कैसे आ गईं। मैरी कॉम ने बुधवार को अनअकेडमी एप पर वीडियो चैट के दौरान कहा, मेरी हमेशा से खेलों में रुचि थी, लेकिन मैं खेलों के महत्व और इसके फायदे को नहीं जानती थी। उन्होंने कहा, मुझे अपने गांव में लड़कों के साथ खेलना पसंद था क्योंकि लड़कियां तो कभी खेलती नहीं थीं। मेरे बचपन की स्थिति अभी की स्थिति से काफी अलग थी। उस समय सिर्फ लड़के ही खेला करते थे। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे खेल के लिए चुना था क्योंकि मेरे खेल में आने और अपनी पूरी जिंदगी खेल को देने का कोई और कारण नहीं हो सकता।

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस तरह का करियर बनाऊंगी। धीरे-धीरे मैं खेलों का महत्व समझने लगी कि अगर आप यहां अच्छा करेंगे तो आपको नौकरी के ज्यादा मौके मिलेंगे। अगर आप खेलों में कामयाब हो तो जिंदगी में भी कामयाब होगे। मैरी ने कहा कि जब उन्होंने शुरुआत की थी तो महिला मुक्केबाजों की कमी थी। 37 साल की इस दिग्गज मुक्केबाज ने कहा, यह खेल पुरुष प्रधान है। यह आमतौर पर पुरुषों का खेल समझा जाता है। इसलिए जब मैंने मुक्केबाजी की शुरुआत की थी तो मेरे लिए यह काफी मुश्किल था। मेरे अलावा एक या दो लड़कियां ट्रेनिंग कर रही थीं, इसलिए मुझे लड़कों के साथ ट्रेनिंग करनी पड़ी। मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि मुक्केबाजी सिर्फ पुरुषों का खेल नहीं है। अगर पुरुष खेल सकते हैं तो महिला भी खेल सकती हैं।

सफेद गेंद सिर्फ 2 ओवरों तक के लिए स्विंग होती है : दीपक चाहर

मुंबई ।

आईसीसी ने मंगलवार को क्रिकेट समिति की सिफारिशों को मानते हुए कोविड-19 के बाद शुरू होने वाले क्रिकेट को लेकर कुछ अंतरिम बदलाव किए हैं जिसमें गेंद को चमकाने के लिए सलाइवा के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। प्रतिबंध का बार-बार उल्लंघन करने पर टीम को पांच रनों की पेनाल्टी देने का भी प्रावधान है, लेकिन भारतीय टीम के हरफनमौला खिलाड़ी दीपक चाहर ने कहा कि सीमित ओवरों में गेंद को चमकाना ज्यादा बड़ा मुद्दा नहीं रहेगा। दीपक ने स्टार स्पोटर्स के शो पर कहा, मुझे नहीं लगता कि इसका हमारे ऊपर कोई ज्यादा असर पड़ेगा, क्योंकि सफेद गेंद सिर्फ दो ओवर की स्विंग होती है। अगर हम टी-20 प्रारूप की बात करें तो विकेट सिर्फ दो-तीन ओवरों के लिए अच्छी रहती है और गेंद तीन ओवरों तक ही स्विंग होती है इसलिए गेंद को चमकाने की जरूरत खत्म हो जाती है। कोविड-19 के बीच इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें अगले महीने से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत करेंगी। इस सीरीज में नए नियम लागू होंगे। सलाइवा बैन करने के अलावा आईसीसी ने कोविड-19 सब्सीटियूट को भी मंजूरी दे दी है और साथ ही कहा है कि मैच बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में खेले जाएंगे और तटस्थ अंपायरों के स्थान पर घरेलू अंपायर ही मैचों में अंपायरिंग करेंगे।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे मजबूत

मुंबई, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मौद्रिक नीति के फैसले आने से पहले बुधवार को अन्तरबैंक विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार में रुपये का आरंभिक लाभ लुप्त हो गया और यह 75.59 (प्रारंभिक आंकड़े) रुपये प्रति डॉलर पर दो पैसे की हल्की मजबूती से बंद हुआ। बाजार सूत्रों के अनुसार किसी बाजार उत्प्रेरक के अभाव में रुपया/डालर विनिमय दर दिन में सीमित दायर में ऊपर नीचे होने के बाद कर के स्तर पर बनी रही।कारोबारियों को आगे के संकेतों के लिए अमेरिकी अर्थव्यवस्था के बारे में फेडरल रिजर्व के रुख का इंतजार है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बुधवार को रुपया 75.49 पर खुला लेकिन बा में आरंभिक लाभ लुप्त हो गया और कारोबार के अंत में यह दो पैसे की मामूली तेजी दर्शाता 75.59 पर बंद हुआ। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 75.61 प्रति डालर पर बंद हुआ था। चार घंटे के कारोबारी सत्र में रुपये में 75.42 से 75.60 के बीच घट बढ़ हुई।

इमामी रियल्टी 225 करोड़ रुपये के निवेश से उत्तर प्रदेश के झांसी में बसाएगी टाउनशिप

नयी दिल्ली. रियल एस्टेट कंपनी इमामी रियल्टी लिमिटेड करीब 225 करोड़ रुपये का निवेश कर उत्तर प्रदेश के झांसी में एक टाउनशिप बसाएगी। यह एकीकृत टाउनशिप 100 एकड़ में फैली होगी। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितेश कुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा कि कंपनी दो चरणों में 'इमामी नेचर' विकसित करेगी। इसका पहला चरण 54 एकड़ में फैला होगा। इसके लिए 200 से अधिक भूखंडों की बिक्री इसी हफ्ते शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पूरी परियोजना में कुल 48.66 लाख वर्गफुट क्षेत्र का निर्माण किया जाएगा। इसमें से 27 लाख वर्गफुट पहले चरण में पूरा होगा। कंपनी पहले चरण में विला भी विकसित करेगी। पहला चरण इस साल अगस्त में शुरू हो जाएगा। इससे अगले तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है। कुमार ने कहा कि परियोजना के तहत प्लॉटों की कीमत 27 से 90 लाख रुपये के बीच होगी। जबकि विला 55 लाख से 1.3 करोड़ रुपये के बीच होंगे। यह टाउनशिप शहर के बाहरी इलाके में खैलार के पास विकसित की जाएगी।

रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के आठ प्रस्तावों पर विचार के लिये लाइसेंस समिति की बैठक 12 जून को

नयी दिल्ली. उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव गुरूप्रसाद महापात्र की अध्यक्षता वाली अंतर-मंत्रालयी लाइसेंस समिति की रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के आठ प्रस्तावों पर विचार के लिये 12 जून को बैठक होगी। आवेदनकर्ताओं में आदित्य प्रेसीटेक, कानकार्ड हेलमेट एंड सेफ्टी प्रोडक्ट्स, काइनेटिक्स इंजीनियरिंग सोल्यूशंस, कल्याणी स्ट्रैटजिक सिस्टम और एकोनॉमिक एक्सप्लोसिव शामिल हैं। देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आकर्षित करने और रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिये सरकार ने पूर्व में एफडीआई नीति में ढील दी है। फिहाल देश अपने सैन्य हार्डवेयर की जरूरत का 70 प्रतिशत तक आयात करता है। सरकार ने पिछले महीने भी कहा था कि वह क्षेत्र में विदेशी कंपनियों को आकर्षित करने के इरादे से स्वत- मार्ग से 74 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति देकर रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में एफडीआई नियमों में ढील देगी। मौजूदा एफडीआई नीति के अनुसार रक्षा उद्योग में 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति है। इसमें 49 प्रतिशत स्वत- मार्ग से जबकि उसके बाद सरकार से मंजूरी की जरूरत पड़ती है।

IIFCL को सरकार से मिला 5,298 करोड़ रुपए का पूंजी निवेश

नई दिल्ली: इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) को सरकार से शेयर पूंजी के तौर पर 5,297.60 करोड़ रुपए का निवेश हासिल हुआ है। कंपनी ने बुधवार को जानकारी दी कि सरकार ने 30 मार्च को कंपनी में निवेश किया। सरकार के इस निवेश से आईआईएफसीएल की चुक्ता शेयर पूंजी बढ़कर 9,999.92 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी 10,000 करोड रुपए है। आईआईएफसीएल पूर्णतया सरकार के पूर्ण नियंत्रण वाली कंपनी है। यह देश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को दीर्घावधि वित्तीय मदद उपलब्ध कराती है।

सेल का कर्मचारियों, उनके परिजनों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपोलो अस्पताल से गठजोड़

नयी दिल्ली. स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने कोविड-19 संकट के बीच अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपोलो अस्पताल के साथ साझेदारी की है। इससे पहले सेल के कुछ कर्मचारियों के कोविड-19 संक्रमित पाए जाने के बाद कंपनी ने मैक्स अस्पताल से साझेदारी की थी। सेल ने एक बयान में कहा, ''सेल ने अपोलो अस्पताल के साथ साझेदारी करके आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में अपनी भागीदारी को और आगे बढ़ाया है। अपोलो अस्पताल सैंपल टेस्टिंग, प्रोटोकॉल निर्धारित करने और कार्मिकों के लिए कार्य के दौरान सुरक्षित माहौल तथा अनुकूलतम इलाज प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने की दिशा में अपनी सेवाएं प्रदान करेगा।'' सेल और अपोलो अस्पताल द्वारा मिलकर स्थापित किया गया यह जानकारी साझा करने का मंच सेल की चिकित्सा टीम को लगातार अपडेट करेगा।

बैंक शेयरों में तेजी से बाजार में मजबूती, सेंसेक्स 290 अंक

मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में एक दिन की गिरावट के बाद बुधवार को फिर तेजी रही। वैश्विक स्तर पर मिले-जुले रुख के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज और बैंक शेयरों की अच्छी मांग के साथ बाजार में मजबूती आयी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 290.36 अंक यानी 0.86 प्रतिशत मजबूत होकर 34,247.05 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 69.50 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ 10,116.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में इंडसइंड बैंक सर्वाधिक लाभ में रहा और इसमें 7.93 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा कोटक बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक और एसबीआई में तेजी रही। वहीं दूसरी तरफ हीरो मोटो कार्प, टाटा स्टील, बजाज ऑटो और ओएनजीसी में 3.92 प्रतिशत तक की गिरावट आयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति आने से पहले वैश्विक बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। कोरोना वायरस संकट के बाद अमेरिका की अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने के बाद वहां के केंद्रीय बैंक की यह पहली मौद्रिक नीति होगी। कारोबारियों के अनुसार वित्तीय कंपनियों के शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आयी। इसके अलावा विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से भी धारणा को बल मिला। शेयर बाजार के पास उपलब्ध अस्थायी आंकड़े के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने मंगलवार को शुद्ध रूप से 490.81 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। एलकेपी सिक्युरिटीज के शोध प्रमुख एस रंगनाथन ने कहा, ''बुधवार को बाजार में तेजड़िये हावी रहे और यह देखकर अच्छा लगा कि कुछ दबाव वाले निजी क्षेत्र के बैंकों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में तेजी रही। इसका मतलब है कि चीजें इतनी खराब नहीं है जैसा कि कहा जा रहा है।''

उन्होंने कहा, ''बाजार में सुधार के साथ निवेशकों के लिये कई अवसर उपलब्ध हैं।'' एशिया के अन्य प्रमुख बाजारों में चीन का शंघाई और हांगकांग नुकसान में रहे जबकि दक्षिण कोरिया का सोल और जापान का तोक्यो बाजार में तेजी रही। दोपहर बाद खुले यूरोप के बाजारों में शुरूआती कारोबार में गिरावट का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 2.26 प्रतिशत लुढ़क कर 40.25 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं अमेरिका डॉलर के मुकाबले रुपया 75.59 पर स्थिर बंद हुआ।

कोल इंडिया ने सरकार से कोयले के परिवहन के लिये रेल शुल्क दरों में कमी की मांग की

नयी दिल्ली, सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया ने कोयला ढुलाई का रेल भाड़ा कम करने का आग्रह किया है। इससे आयात में कमी लाने और आपूर्ति बढ़ाने में मदद मिलेगी। कोल इंडिया कोयले की कमजोर मांग से जूझ रही है। बिजली क्षेत्र समेत उसके ज्यादातर ग्राहक पर्याप्त मात्रा में कोयला उठाने से बच रहे हैं। महारत्न कंपनी ने एक बयान में कहा, ''...कोल इंडिया ने ग्राहकों तक कोयला पहुंचाने के लिये सरकार से रेल भाड़े में रियायत देने पर विचार करने को कहा है। इससे आयातित कोयले की मांग कम करने में भी मदद मिलेगी।'' कोविड-19 के कारण मांग में नरमी के बीच कोयला उठाव कम है। इसको देखते हुए कोल इंडिया ने सरकार से यह आग्रह किया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला आधारित बिजली संयंत्रों और गैर-बिजली क्षेत्र पर ध्यान दे रही हैं जो कोयले का आयात करते हैं। उन्होंने 2019-20 में करीब 15 करोड़ टन कोयले का आयात किया। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी आयात की जगह घरेलू कोयले के उपयोग को बढ़ावा देने के लिये कदम उठा रही है। इससे न केवल कोल इंडिया की आपूर्ति बढ़ेगी बल्कि आयात के कारण जो बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा बाहर जाती है, उस पर रोक लगेगी। कोल इंडिया की कुल कोयला आपूर्ति में करीब 80 प्रतिशत हिस्सेदारी बिजली क्षेत्र की है। मई के अंत तक उनके पास 5 करोड़ टन कोयला भंडार था जो 29 दिन की खपत क लिये पर्याप्त है। कई बिजली संयंत्र कोल इंडिया से आपूर्ति लेने से बच रहे हैं। इससे कोयले का उठाव कम हो रहा है। मई महीने में बिजली क्षेत्र ने कोल इंडिया और उसकी अनुषंगी इकाइयों से 3.015 करोड़ टन कोयला लिया जो पिछले साल इसी माह के 4.038 करोड़ टन के मुकाबले करीब 25 प्रतिशत कम है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, ''कोल इंडिया आपूर्ति के मामले में काम कर सकती है। हम अपने ग्राहकों के लिये सुविधा बढ़ा सकते हैं।

आवास समितियां को दूरसंचार कंपनियों से परिसर में प्रवेश पर शुल्क लगाना बंद करना चाहिए : ट्राई

नयी दिल्ली.

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कॉलोनी या आवासीय परिसरों में दूरसंचार सेवाप्रदाताओं के प्रवेश पर शुल्क लगाने के रेजिडेंट वेलफेयर समितियों (आरडब्ल्यूए) के व्यहार की कड़ी आलोचना की है। एसोचैम के 'डिजिटल = अगली क्रांति' विषय पर आयोजित एक वेबिनार में ट्राई के चेयरमैन आर. एस. शर्मा ने कहा कि आवासीय परिसरों या कॉलोनियों या बहुमंजिला इमारतों में जब पानी और बिजली सेवाप्रदाताओं को बिना रोक-टोक प्रवेश करने छूट दी जाती है, तो फिर दूरसंचार सेवाप्रदाताओं के साथ इसे लेकर 'भेदभावपूर्ण' रवैया क्यों अपनाया जाता है? उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर ट्राई शहरी विकास मंत्रालय से भी बातचीत कर रहा है। शर्मा ने कहा, ''हमने अक्सर पाया है कि आरडब्ल्यूए या बिल्डर इत्यादि दूरसंचार सेवाप्रदाताओं को अपने परिसर में प्रवेश नहीं करने देते। या उसके लिए पहले से मनमानी शर्तें तय कर देते हैं। उनसे प्रवेश शुल्क वसूला जाता है।'' उन्होंने कहा कि लोगों को यह समझना होगा कि दूरसंचार से जुड़ा बुनियादी ढांचा भी उतना ही आवश्यक है, जितना कि बिजली-पानी। जब उनके सेवाप्रदाताओं को बेरोक-टोक आने की अनुमति है, तो दूरसंचार सेवाप्रदाताओंको भी होनी चाहिए। क्योंकि दूरसंचार कंपनियां सभी को बिना किसी भेदभाव के सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। वह इन परिसरों में रहने वालों से किसी सेवा का कोई विशष शुल्क नहीं लेती। शर्मा ने जोर देकर कहा कि ऐसी 'कुव्यवस्थाओं' पर रोक लगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ट्राई इस मामले में शहरी विकास मामलों के मंत्रालय के साथ बातचीत कर रहा है। ट्राई का सुझाव है कि दूरसंचार के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए इसे किसी इमारत के पूरा बनने पर मिलने वाले अनुमति पत्र की अनिवार्य शर्तों में जोड़ दिया जाए। किसी इमारत या कॉलोनी में संचार नेटवर्क से जुड़ी अहम बुनियादी जरूरतें पूरी होने के बाद ही उसे पूर्ण होने का प्रमाणपत्र जारी किया जाए। शर्मा ने कहा कि मंत्रालय ने भी इस सुझाव पर सकारात्मक रुख दिखाया है।

नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को झटका, ईडी हांगकांग से वापस लाई 1350 करोड़ के हीरे-जवाहरात

नई दिल्ली:

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) बुधवार को नीरव मोदी और मेहुल चोकसी से संबंधित फर्मों के 1,350 करोड़ रुपये मूल्य के 2,300 किलोग्राम से अधिक तराशे हुए हीरे और मोती हांगकांग से वापस लेकर आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुंबई में उतरने वाली 108 खेपों में से 32 नीरव मोदी द्वारा ''नियंत्रित'' विदेश संस्थाओं से संबंधित हैं जबकि बाकी मेहुल चोकसी की फर्मों से हैं। ईडी इन दोनों व्यवसायियों से मुंबई में पीएनबी की एक शाखा में दो अरब अमेरिकी डॉलर की कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच कर रही है। एजेंसी ने बताया कि इन कीमती सामानों में पॉलिश किये गये हीरे, मोती और चांदी के आभूषण शामिल हैं और इनकी कीमत 1,350 करोड़ रुपये है। उसने बताया कि ईडी ने इन कीमती सामानों को वापस लाने के लिए हांगकांग में अधिकारियों के साथ ''सभी कानूनी औपचारिकताओं'' को पूरा किया। एजेंसी ने बताया कि इन सामानों को अब पीएमएलए के तहत औपचारिक रूप से जब्त कर लिया जाएगा। इससे पहले पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के मुंबई की विशेष अदालत ने बड़ा झटका दिया था। कोर्ट ने नीरव की सभी संपत्तियों को 'आर्थिक अपराधी भगोड़ा कानून' के तहत जब्त करने का आदेश दे दिया था। पीएमएलए कोर्ट के नीरव की सभी संपत्तियों को जब्त करने के आदेश के बाद उसकी सभी संपत्तियां अब भारत सरकार के अधिकार क्षेत्र में आ गई। ईडी पहले भी मोदी की संपत्ति जब्त करने की कार्रवाई कर चुका है। इसी साल मार्च में हुई उसकी संपत्तियों की नीलामी से 51 करोड़ रुपये मिले थे। बता दें कि नीरव मोदी भारत में पंजाब नेशनल बैंक से दो अरब डालर के कर्ज की धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में आरोपी है। वह लंदन की वेस्टमिंस्टर मजिस्ट्रेट अदालत में अपने भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ मुकदमा लड़ रहा है।

वित्त मंत्रालय ने 14 राज्यों को 6,195 करोड़ रुपये जारी किये

नयी दिल्ली. सरकार ने बुधवार को केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बाद राजस्व घाटा अनुदान के रूप में 14 राज्यों को 6,195 करोड़ रुपये जारी किये। वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर यह सहायता राज्यों को होने वाले किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिये दी जाती है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने ट्वीट में कहा, ''सरकार ने 10 जून 2020 को 6,195.08 करोड़ रुपये 14 राज्यों को जारी किये। 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के आधार पर केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बाद राजस्व घाटा अनुदान के रूप में यह तीसरी समान मासिक किस्त है। इससे राज्यों को कोरोना संकट के दौरान अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होगा।'' इससे पहले तीन अप्रैल और 11 मई को मंत्रालय ने पहली और दूसरी किस्त 14 राज्यों को जारी की थी। ये राज्य हैं...आंध्र प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, केरल, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल।

कोरोना संकट के बाद भारतीय अर्थव्यस्था मारेगी छलांग, फिच ने जताया 9.5% की विकास दर का अनुमान

नई दिल्ली:

चालू वित्त वर्ष में गहरे संकुचन के बाद देश की अर्थव्यवस्था के अगले वित्त वर्ष में 9.5 प्रतिशत की दर से वृद्धि करने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने बुधवार को जारी एक रिपोर्ट में यह बात कही। फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था के पांच प्रतिशत सिकुड़ने का अनुमान जताया है। कोरोना वायरस संकट गहराने से पहले ही अर्थव्यवस्था में नरमी का रुख बना हुआ था। फिच ने बुधवार को अपना एशिया-प्रशांत ऋण साख परिदृश्य जारी किया। इसमें कहा गया है, ''कोविड-19 महामारी ने देश के वृद्धि परिदृश्य को कमजोर किया है। इसकी अन्य प्रमुख वजह सरकार पर भारी कर्ज के चलते कई चुनौतियां भी पैदा होना है।'' फिच ने कहा कि इस वैश्विक महामारी संकट के बाद देश की जीडीपी वृद्धि दर के वापस पटरी पर लौटने की उम्मीद है। यह वापस उच्च स्तर पर पहुंच सकती है। इसके अगले साल 9.5 प्रतिशत कीर दर से वृद्धि करने की उम्मीद है। यह 'बीबीबी' श्रेणी से अधिक होगी। देश में कोरोना वायरस को रोकने के लिए 25 मार्च से लॉकडाउन लागू किया गया। इसे कई बार विस्तार देकर 30 जून तक बढ़ाया गया है। हालांकि, चार मई से लॉकडाउन के नियमों में कई राहत दी गयी हैं। लेकिन देश में फिलहाल कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

कोरोना इफैक्ट: एमिरेट्स एयरलाइंस ने एक ही दिन में 600 पायलटों की छंटनी

नई दिल्ली:

कोरोना संकट की वजह से कई कंपनियों पर तगड़ी आर्थिक मार पड़ी है। एविएशन सेक्टर को कोरोना वायरस लॉकडाउन से बड़ा झटका लगा है। दुनिया भर की एयरलाइंस कंपनियों ने छंटनी करनी शुरू कर दी है। दुबई की एमिरेट्स एयलाइंस (Emirates airline) कंपनी ने एक दिन में कुल 600 पायलटों की छंटनी कर दी है। इन छंटनी किए गए पॉयलट्स में भारत के पायलट भी शामिल हैं जो कि हाल ही इंडिगो का साथ छोड़कर इस कंपनी के साथ जुड़े थे। एविएशन सेक्टर में इसे सबसे बड़ी छंटनी माना जा रहा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 792 पॉयलटों को बाहर कर दिया गया है। एयरलाइन ने 31 मई से ही कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी थी, जब उसने 180 पायलटों को बाहर का रास्ता दिखा दिया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, 9 जून को फायर किए ज्यादातर पायलट ऑफिसर थे जो A380 टाइप रेटिंग के लिए प्रशिक्षण में शामिल थे। ये सभी पायलट प्रोबेशन पीरियड पर थे। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक, 9 जून को फायर किए गए ज्यादातर पायलटों ने A380 को उड़ाया है। निकाले गए कर्मचारियों के लिए काम करने का अंतिम दिन 15 जून होगा। इन्हें मेडिकल बेनिफिट्स मिलते रहेंगे। एक रिपोर्ट में पहले कहा गया था कि कंपनी करीब 30 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करेगी, जिसमें क्रू मेंबर और पायलट शामिल हैं। कोरोना वायरस महामारी के चलते कंपनी का बिजनेस प्रभावित हुआ। एमिरेट्स एयरलाइन कंपनी अपनी बेहतर सर्विस के लिए जानी जाती है। कोरोना वायरस प्रकोप के चलते कंपनी अपनी कुछ फ्लीट को रिटायर करने की योजना बना रही है।

एचडीएफसी बैंक ने घटाया कर्ज पर ब्याज, होम लोन की कम होगी किस्त

मुंबई: निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक ने कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (एमसीएलआर) 0.05 प्रतिशत कम की है। यह कटौती हर अवधि की एमसीएलआर पर की गई है। बैंक की वेबसाइट के अनुसार नई दरें आठ जून से प्रभावी हैं। एमसीएलआर दर से जुड़े होम लोन की समान मासिक किस्त की राशि में कमी आएगी। एचडीएफसी बैंक के अनुसार, एक दिन के लिए एमसीएलआर को कम कर 7.30 प्रतिशत जबकि एक महीने की अवधि के लिए 7.35 प्रतिशत किया गया है। एक साल की एमसीएलआर अब 7.65 प्रतिशत होगी। ज्यादातर उपभोक्ता कर्ज इसी से जुड़े होते हैं। वहीं तीन साल की एमसीएलआर अब 7.85 प्रतिशत होगी। रिजर्व बैंक के नीतिगत दर में कटौती के बाद अन्य बैंकों के एमसीएलआर में कटौती के बीच एचडीएफसी ने यह कदम उठाया है। कोविड-19 महामारी और 'लॉकडाउन' से अर्थव्यवस्था को उबारने और उसे पटरी पर लाने के लिये आरबीआई मार्च से अबतक प्रमुख नीतिगत दर (रेपो) में 1.15 प्रतिशत की कटौती कर चुका है। बैंक हर महीने अपनी एमसीएलआर की समीक्षा करते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहाड़ों की चादर ओढ़े मेघालय

शिलांग भारत के उत्तर–पूर्वी राज्य मेघालय की राजधानी है। भारत के पूर्वोत्तर में बसा शिलांग हमेशा से पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र रहा है। इसे भारत के पूरब का स्कॉटलैण्ड भी कहा जाता है। पहाड़ियों पर बसा छोटा और खूबसूरत शहर पहले असम की राजधानी था। असम के विभाजन के बाद मेघालय बना और शिलांग वहां की राजधानी। लगभग 1695 मीटर की ऊंचाई पर बसे इस शहर में मौसम हमेशा खुशगवार बना रहता है। मानसून के दौरान जब यहां बारिश होती है, तो पूरे शहर की खूबसूरती और निखर जाती है और शिलांग के चारों तरफ के झरने जीवंत हो उठते है।

शिलांग के अधिकांश लोग खासी नामक जनजाति के हैं। इस जनजाति? के ज्यादातर लोग ईसाई धर्म को मानने वाले हैं। खासी जनजाति के बारे में दिलचस्प बात यह है कि इस जनजाति में महिला को घर का मुखिया माना जाता है। जबकि भारत के अधिकांश परिवारों में पुरुष को प्रमुख माना जाता है। इस जनजाति में परिवार की सबसे बड़ी लड़की को जमीन जायदाद की मालकिन बनाया जाता है। यहां मां का उपनाम ही बच्चे अपने नाम के आगे लगाते हैं।

चेरापुंजी भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मेघालय का एक शहर है। यह शिलांग से 60 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान दुनिया भर में मशहूर है। हाल ही में इसका नाम चेरापूंजी से बदलकर सोहरा रख दिया गया है। वास्तव में स्थानीय लोग इसे सोहरा नाम से ही जानते हैं। यह स्थान दुनियाभर में सर्वाधिक बारिश के लिए जाना जाता है। इसके नजदीक ही नोहकालीकाई झरना है, जिसे पर्यटक जरूर देखने जाते हैं। यहां कई गुफा भी हैं, जिनमें से कुछ कई किलोमीटर लम्बी हैं। चेरापूंजी बांगलादेश सीमा से काफी करीब है, इसलिए यहां से बांगलादेश को भी देखा जा सकता है।

ऐसा नहीं है की जब भी आप को अपनी छुट्टियाँ मज़ेदार बनानी हो आप गोवा या किसी हिल स्टेशन की ओर निकल पड़ें। भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में भी आपको बेहद सुकून और शांति के अहसास का आनंद मिल सकता है । जी हाँ, अगर आप को माइंड रिफ्रेश करना हो और कुछ दिनों के लिए आप भाग दौड़ से दूर स्ट्रेस फ्री मूड में रहना चाहते हैं तो मेघालय से अच्छी कोई जगह हो ही नहीं सकती।

मेघालय यानि 'बादलों का घर', जिसका नाम ही इतना ताज़गी भरा हो सोचिये ज़रा वो जगह भी कितनी शानदार होगी। मेघालय में जो रुहानी राहत और मानसिक शांति मिलती है वो तो बस अनमोल ही है। यहाँ की मनोरम वादियाँ देख कोई भी इसकी खूबसूरती का कायल हुए बिना नहीं रह पायेगा। मेघालय की प्राकृतिक सुन्दरता ही है जो पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करती है। यहाँ का वातावरण भी बहुत ही मनमोहक और ताज़गी से भरपूर होता है। बारिश के दिनों में तो वर्षा से भरे बादलों के बीच मेघालय की पहाड़ियां बहुत दिल लुभावनी दिखाई देती हैं।

मेघालय में घूमने के लिए बहुत सी शानदार जगहें हैं जहाँ प्रकृति की असली सुन्दरता बहुत ही भव्य रूप में नज़र आती है।

शीतल शिलॉग

मेघालय का कैपिटल शिलॉग पर्यटकों का सबसे महत्वपूर्ण टूरिज्म डेस्टिनेशन है। और भला ऐसे कैसे हो सकता है कि आप भारत के उत्तरी पूर्वी क्षेत्र में जायें और शिलॉग न देखें । शिलॉग जाये बिना तो आपके घूमने का मज़ा अधुरा ही रह जायेगा। शिलॉग की लाजवाब खूबसूरती और यहाँ की ऊँची-ऊँची पहाड़ियां आप का दिल चुरा लेंगी। शिलॉग जाने के लिए बारिश का मौसम बहुत ही उत्तम होता है। शिलॉग की किसी पर्वत चोटी पर खड़े हो कर पूरे शहर का अद्वितीय नज़ारा लिया जा सकता है। शिलॉग में अनेक मनोरम स्थल हैं जिन में वार्ड लेक, लेडी हैदरी पार्क, पोलो ग्राउंड और मिनी चिड़ियाघर प्रमुख हैं। लेकिन यहाँ पर सबसे ज़्यादा प्रसिद्द है एलीफैंट वाटर फॉल जो बहुत ही खूबसूरत है और साथ ही यहाँ पर लोग एयर बैलून का भी पूरा लुत्फ़ उठाते हैं।

चंचल चेरापूंजी

चेरापूंजी नाम सुनते ही बचपन में पढ़ा जियोग्राफी का वो चैप्टर याद आ जाता है ना जिसमे हमने पढ़ा था 'चेरापूंजी में सबसे ज़्यादा बारिश होती है'। सोचिये कितना रोमांच भरा होगा ऐसी जगह को हकीकत में देखना । चेरापूंजी पर्यटकों का फेवरेट स्पॉट है। चेरापूंजी में माकडॉक और डिमपेप घाटी का दृश्य पर्यटकों को अपनी ओर खींचता है। चेरापूंजी की बारिश की बूंदे तन-मन को ऐसे भिगो देंगी की दिल ताज़गी से भर उठेगा। चेरापूंजी का सबसे आकर्षक स्थान है नोहकलिकाई झरना। हजारों फीट ऊपर से गिरता यह दूधिया सफ़ेद झरना बहुत ही मनमोहक और खूबसूरत है। इसके अलावा चेरापूंजी का माउलंग सीम पीक एक ऐसा

स्थान है जो यात्रियों के लिए रहस्य, रोमांच, साहस और सौंदर्य से भरा हुआ है। दूर एक हज़ार मीटर ऊंचाई से गिरता झरना, घने वृक्षों से घिरा जंगल, बादलों के पास बसा बांग्लादेश यहां से दिखाई देता है।

मेघालय में पाई जाने वाली गारो पहाडियों में तो मानसून के मौसम में घूमने का मज़ा दोगुना हो जायेगा। मानसूनी सीजन के वक्त यहाँ बादल हमेशा बने रहते हैं। खासी और जेंतिया पहाड़ी की ऊंचाई पर एक विशेष प्रकार का मौसम रहता है, जिसमें हल्की ठंडक ह्द्द्धह्द्द है। विंटर में यहां तेज़ सर्दी पड़ती है। इसके साथ ही रामकृष्ण का मंदिर, नोखालीकाई वॉटर फॉल, वेल्श मिशनरियों की दरगाहें, ईको पार्क, डबल ड्रेकर रूट ब्रिज और चेरापूंजी मौसम विभाग वैधशाला देखने लायक स्थान हैं। चेरापूंजी में होने वाली तेज़ बारिश से यहाँ की चट्टानों में दरार पड़ गई है और सभी ढलानों पर झरने का दृश्य बेहद मनोरम है।

मेघालय देश के उत्तरी पूर्व क्षेत्र का खूबसूरत राज्य है जिसे देख कर लगता हैं मानो इसने पहाड़ की चादर ओढ़ रखी हो। इस राज्य का एक तिहाई हिस्सा घने जंगलों से भरा है। इस

राज्य को पूरब का स्काटलैंड कहा जाता है। यहां पूरे देश के मुकाबले बहुत ज्यादा बारिश होती है।

मेघालय बायोडाइवरसिटी यानी जैविक विविधता से भरपूर है। यहां पौधे, जीव-जन्तु और पक्षियों की कई प्रजातियां पाई जाती हैं। मेघालय में खेती में प्राथमिकता दी गई है। यहां की मुख्य फसलें हैं- केला, मक्का, अनानास, आलू और चावल। मेघालय की शिलांग चोटी को यहां के निवासी भगवान का निवास स्थल मानते हैं।

पर्यटकों का यहां हर समय तांता लगा रहता है। इस राज्य की खूबसूरती और इसके मनमोहक दृश्य के कारण पर्यटक खिंचे चले आते हैं। यहां तीन वाइल्ड लाइफ सैंक्चरी और दो नेशनल पार्क हैं। ट्रैकिंग, हाइकिंग और पर्वतारोहण के दीवानों के लिए यह जगह बेहतर है। यहां यूमियान लेक में वॉटर स्पोर्ट्स का मजा लिया जा सकता है। यहां के लोगों में वॉटर स्पोर्ट्स काफी लोकप्रिय है।

चूना पत्थर और बलुआ पत्थर से बनी लगभग 500 गुफाएं यहां मौजूद हैं। जिनमें से कुछ ऐसी भी हैं, जो देश की सबसे लंबी और गहरी गुफा है। ये गुफाएं देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक आते हैं। इस राज्य का सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थल है चेरापूंजी। यहां के अद्भुत प्राकृतिक दृश्य पूरे उत्तरी-पूर्व भारत में सबसे अनोखे और दर्शनीय हैं।

यहां कई वाटरफॉल हैं। जैसे शेदेथम फॉल्स, विनिया फॉल्स, एलिफेंट फाल्स, नोहकालीलाई, स्वीट फॉल्स, विशप्स फाल्स और लैंगशियांग फॉल्स। इन झरनों की खूबसूरती देखते बनती है। मेघालय को खैसिस, जैंटिया और गैरो हिल्स के अनुसार विभिन्न भागों में बांटा गया है। यहां कई नदियां हैं, जिनमें कुछ मौसमी हैं। इनमें से कुछ नदियां खूबसूरत वाटरफॉल बनाती हैं।

मेघालय घूमने का सबसे अच्छा मौसम है गर्मियां। वैसे आप मेघालय कभी भी जाएं गर्म कपड़ों की जरूरत हमेशा पड़ती है। सड़क, रेल और हवाई यातायात के साथ यहां हेलिकॉप्टर सेवा भी उपलब्ध है, जो शिलांग से गुवाहाटी को जोड़ती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

कोरोना मामलों में वुहान से आगे निकली मुंबई, संक्रमितों की संख्या ने तोड़ा रिकॉर्ड

मुंबई.कोरोना के मामले में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई ने चीन के वुहान शहर को भी पीछे छोड़ दिया है. वुहान शहर में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 50,340 था जबकि मुंबई में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 51100 पहुंच चुका है. वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान 58 मौतों के साथ मुंबई में कोरोना से 1760 लोगों की मौत हो चुकी है.

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 2259 मामले सामने आने के बाद कोरोना पॉजिटिव के मरीजों की संख्या बढ़कर 90787 हो चुकी है, जबकि पिछले 24 घंटे में 120 मौतों के साथ महाराष्ट्र में कोरोना से मरने वालों की संख्या अब 3289 हो गई है.

मुंबई में लोकल ट्रेन, सैलून, धार्मिक स्थल और मॉल्स अब भी बंद हैं. बावजूद इसके महाराष्ट्र और मुंबई के आंकड़ों ने सबको चौंक दिया है. सवाल सबके मन में यही है कि ये सिलसिला आखिर कब थमेगा.

रांची: नाबालिग लड़की के साथ पड़ोसी ने की दुष्कर्म की कोशिश, पुलिस ने किया अरेस्ट

रांची. झारखंड की राजधानी रांची में दुष्कर्म का मामला सामने आया है. घर से शौच के लिए निकली नाबालिग लड़की के साथ पड़ोसी ने ही दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है.

रांची के सदर थाना क्षेत्र का यह मामला है. यह घटना सोमवार रात की है. मिली जानकारी के अनुसार नाबालिग लड़की शौच करने के लिए घर से निकली थी इसी दौरान आरोपी उसे घसीटते हुए छत पर ले गया जहां उसके साथ दुष्कर्म किया गया. दुष्कर्म का विरोध करने पर आरोपी ने नाबालिग से मारपीट भी की. आपको बता दें कि पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है. किसी तरह से नाबालिग आरोपी चंगुल से बाहर निकली, घर पहुंच कर पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी.

उसके बाद परिजनों ने नाबालिग आरोपी को पकड़कर खूब पिटाई भी किया. दोनों किराए के मकान में आस पास ही रहते हैं. हालांकि, लड़के के परिजनों का कहना है कि वो अभी मेडिकल रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं. उनका कहना है कि अगर हमारे लड़के ने गलती की है तो उसे सजा मिलनी चाहिए. हम लोगों ने हमेशा से अच्छा काम करने का सलाह दिया है.

बिहार में कोरोना के मामले बढ़कर हुए 5583, मिले नए 128 मामले

पटना.बिहार में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. बिहार में अब कोरोना के 128 नए मामले मिले हैं जिसके बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या 5583 हो गई है.

वहीं, राज्य में अब तक 33 कोरोना संक्रमितों की मौत हो चुकी है. स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि अब तक कुल 1,05,588 नमूनों की जांच की गई है और कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या अब 5583 हो गई है.

उन्होंने बताया, "राज्य में पिछले 24 घंटे के दौरान 228 लोग स्वस्थ हुए हैं. अब तक कुल 2,770 कोरोना संक्रमित मरीज ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं जो कुल संक्रमित व्यक्तियों का 51 6 प्रतिशत है. बिहार के 38 जिलों में कोरोना संक्रमण के 2,560 सक्रिय मामले हैं."उन्होंने कहा कि तीन मई के बाद बाहर से बिहार आने वाले लोगों में से 3,853 व्यक्तियों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है जो कुल संक्रमित व्यक्तियों का 72 प्रतिशत है. उन्होंने कहा कि पिछले 24 घंटे के दौरान दो कोरोना संक्रमितों की मौत हुई, जिससे राज्य में संक्रमितों के मरने वालों की संख्या बढ़कर 33 हो गई है.इधर, राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सचिव अनुपम कुमार ने बताया कि राज्य में फिलहाल 4,552 ब्लॉक क्वारंटाइन सेंटर चल रहे हैं, जिसमें 1,21,779 लोग रह रहे हैं. ब्लॉक क्वारंटाइन सेंटरों में अब तक 15,20,941 लोग रह चुके हैं, जिसमें 13,99,162 लोग क्वारंटाइन की निर्धारित अवधि पूरी कर अपने घर वापस जा चुके हैं.

बिहार में कोरोना के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं. बिहार में अब कोरोना के 128 नए मामले मिले हैं जिसके बाद कोरोना संक्रमितों की संख्या 5583 हो गई है.

COVID-19 टेस्टिंग पर योगी का बड़ा एक्शन, 15 जून तक सभी जिलों में पहुंचेगी ट्रू नेट मशीन

ट्रू नेट मशीन के जरिये कोरोना वायरस की टेस्टिंग के परिणाम एक से डेढ़ घंटे में ही प्राप्त हो जाते हैं. ऐसे में इन मशीनों से ग्रामीण इलाकों और कोरोना से ज्यादा प्रभावित हो रहे जिलों में टेस्टिंग की क्षमता बढ़ेगी. इस तरह संक्रमण को आगे बढ़ने से रोका जा सकेगा.

लखनऊ. सीएम योगी ने प्रदेश में कोरोना वायरस टेस्टिंग की क्षमता बढ़ाने के लिए सूबे के सभी 75 जिलों में ट्रू नेट मशीनों के वर्किंग कंडीशन में लगाने के निर्देश दिए हैं. सीएम योगी ने कहा है कि 15 जून 2020 तक सभी जिलों में ट्रू नेट मशीनें लग जानी चाहिए, ताकि कोरोना मरीजों की टेस्टिंग में आसानी हो सके.

ट्रू नेट मशीन से जल्दी मिलने हैं नतीजे सीएम का कहना है कि शीघ्रता से टेस्टिंग परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रदेश सरकार ने प्राथमिकता पर ट्रू नेट मशीनें उपलब्ध कराई हैं ताकि कोविड और नॉन कोविड अस्पतालों की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाया जा सके. ट्रू नेट मशीन के जरिये कोरोना वायरस की टेस्टिंग के परिणाम एक से डेढ़ घंटे में ही प्राप्त

हो जाते हैं. ऐसे में इन मशीनों से ग्रामीण इलाकों और कोरोना से ज्यादा प्रभावित हो रहे जिलों में टेस्टिंग की क्षमता बढ़ेगी. इस तरह संक्रमण को आगे बढ़ने से रोका जा सकेगा.

श्रमिकों/कामगारों के पुनर्वास पर कार्ययोजना

सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं मुख्यमंत्री ने कोविड-19 से होने वाली मृत्यु की दर को नियंत्रित किए जाने पर जोर दिया. कि कामगारों/श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में निरन्तर कार्यवाही की जाए. आने वाले 6 महीने की अवधि में 10 लाख नई नौकरियों और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की कार्ययोजना तैयार की जा रही है. सीएम ने मण्डी को एक्सपोर्ट हब के तौर पर विकसित करने के निर्देश दिए हैं.

कोरोना वॉरियर्स की सुरक्षा पर संजीदा

सीएम योगी ने प्रदेश में कोरोना वॉरियर्स में संक्रमण के बढ़ते केसेज पर भी बात की है. उन्होंने पुलिस बल को संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय करने के निर्देश दिए हैं. इसके अलावा कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के संबंध में लोगों को पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से जागरूक करने की व्यवस्था भी जारी रखने के लिए कहा है.

उत्तराखंड में कोरोना से ठीक होने वालों की संख्या एक्टिव केस से ज्यादा, रिकवरी रेट 51% से ऊपर

देहरादून. उत्तराखंड में कोरोना के बढ़ते संक्रमण के बीच राहत की खबर है कि कोविड-19 से ठीक होने वालों की संख्या एक्टिव केसों से ज्यादा हो गई है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कोरोना के 730 एक्टिव केस हैं, जबकि 808 लोग कोरोना को मात

दे कर अपने घर जा चुके हैं.

उत्तराखंड में कोरोना के मरीज 15.41 दिन में डबल हो रहे हैं, वहीं रिकवरी रेट 51.41 प्रतिशत हो गया है. राज्य में अब तक कोरोना के कुल 1560 मामले सामने आए हैं. जिसमें 15 की मौत हो चुकी है. बुधवार दोपहर जारी हेल्थ बुलेटिन के मुताबिक, आज 23 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है. बुधवार को 1741 सैंपल्स की रिपोर्ट नेगेटिव आई, जबकि 859 नमूनों को कोरोना जांच के लिए भेजा गया. राज्य में 4,953 सैंपल्स की रिपोर्ट का आना बाकी है.

देहरादून में अब नैनीताल से ज्यादा कोरोना केस

राजधानी देहरादून में अब कोरोना के मामलों ने नैनीताल जिले को पछाड़ दिया है. यहां कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 398 हो गया है. वहीं, नैनीताल में अब तक 334 कोरोना केस सामने आए हैं. टिहरी गढ़वाल में 223, हरिद्वार-154, उधम सिंह नगर-95, अल्मोड़ा-74, पौड़ी गढ़वाल-52, पिथौरागढ़-51, चंपावत-48, बागेश्वर-40, चमोली-34, रुद्रप्रयाग-28 और उत्तरकाशी से 25 कोरोना के मामले सामने आए हैं.

जयपुर: जमीन आवंटन को लेकर राजस्व और उद्योग विभाग के बीच चल रही खींचतान

जयपुर.जमीन आवंटन को लेकर राजस्व विभाग और उद्योग विभाग के बीच चल रही खींचतान का हल निकालने का सरकार प्रयास कर रही है. 9 साल पहले उद्योग विभाग की ओर से रीको के लिए जमीन आवंटन के लिए सरकार ने सर्कुलर जारी किया था, लेकिन कानून में संशोधन नहीं होने के चलते मामला अब फंस गया है.

हाल ही में राजस्व विभाग ने उद्योग विभाग की ओर से जमीन आवंटन के अधिकार को छीन लिया है और उस पर रोक लगा दी है. जब मामला उच्च स्तर तक पहुंचा तो मामले की पेचीदगी सामने आई, जिसे अब ठीक करवाने का काम किया जा रहा है.

मामले को यूं समझिए

- राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम की धारा 102 के तहत केवल राजस्व विभाग या कलेक्टर जमीन का आवंटन कर सकता.
- 2011 में सरकार ने सर्कुलर जारी कर उद्योग विभाग को रीको के लिए जमीन आवंटन का अधिकार दिया.
- लेकिन उस दौरान नियमों में संशोधन नहीं होने से एक्ट नहीं बन पाया.
- इसी वजह से राजस्व विभाग ने अब इसमें अड़ंगा लगा दिया.
- राजस्व विभाग प्रमुख सचिव संदीप वर्मा ने मंत्री हरीश चौधरी से फाइल करवाई अप्रूव.
- इसकी जानकारी सीएस डीबी गुप्ता को भी नहीं दी गई.
- इस आधार पर उद्योग विभाग जमीन आवंटन नहीं कर सकता.

अब इस तरह से हल निकालने का प्रयास

- मामले में मुख्य सचिव डीबी गुप्ता ने राजस्व विभाग और उद्योग विभाग से स्पष्टीकरण मांगा.
- सीधे फाइल मंत्री तक भेजने के मामले में राजस्व विभाग प्रमुख सचिव से स्पष्टीकरण मांगा.
- अब सरकार जमीन आवंटन के लिए नियमों में संशोधन का काम करेगी.
- या जमीन आवंटन की फाइलों पर राजस्व विभाग की सील लगेगी.
- नियमों में संशोधन होता है तो उद्योग विभाग की कर सकेगा जमीन आवंटन

सरकार का मानना है कि इन नौ सालों में रीको के लिए कई जगह जमीन आवंटन की गई, जहां उद्योग भी स्थापित हो गए. सभी का जमीन आवंटन निरस्त नहीं किया जा सकता. इसके लिए नियमों में संशोधन का काम किया जाएगा या राजस्व विभाग की सील लगाई जाएगी. जब तक नियमों में संशोधन नहीं हो जाता, तब तक जमीन आवंटन पर रोक जारी रहेगी.

छत्तीसगढ़ : अब स्टेडियम बनेंगे कोविड केयर सेंटर, बिना लक्षण वाले मरीजों का होगा इलाज

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है. स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अब स्टेडियम को कोविड केयर सेंटर बनाया जा रहा है. रायपुर के 3 इनडोर स्टेडियम कोविड केयर सेंटर के तौर पर डेवलप किए जा रहे हैं.

रायपुर. **छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के बढ़ते आंकड़ों को देखते हुए सरकार अलर्ट मोड पर आ गई है.** स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अब स्टेडियम को कोविड केयर सेंटर बनाया जा रहा है.

रायपुर के 3 इनडोर स्टेडियम कोविड केयर सेंटर के तौर पर डेवलप किए जा रहे हैं. 150 से ज्यादा बिस्तरों के साथ 30 लाख रुपये की लागत से कोविड केयर सेंटर तैयार हो रहा है.

जानकारी के मुताबिक, इस सेंटर में ऐसे मरीजों का उपचार होगा जो कोरोना पॉजिटिव तो हैं, लेकिन लक्षण नहीं है, स्वास्थ्य विभाग और रायपुर नगर निगम मिलकर इस सेंटर को तैयार कर रहा है.

आपको बता दें कि छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या करीब 1100 के पार पहुंच गई है. वहीं, राज्य में सोमवार को इलाज के बाद 52 मरीजों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. मरीजों की संख्या को देखते हुए जहां बेड का इंतजाम किया जा रहा है. वहीं अब सरकार स्टेडियम भी तैयार कर रही है.

भीषण गर्मी और उमस से झुलस रहा राजस्थान, जानें कितना है आपके शहर का तापमान

जयपुर. कुछ दिनों की राहत के बाद एक बार फिर से भीषण गर्मी और उमस ने लोगों को सताना शुरू कर दिया है. बीते 3 दिनों से प्रदेश में दिन और रात के तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. इस दौरान जहां दिन का तापमान करीब 4 से 5 डिग्री तक बढ़ चुका है तो वहीं रात के तापमान में भी करीब 3 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है. दिन में सूर्य की तपिश जहां लोगों को सता रही है तो वहीं रात की उम्र लोगों के पसीने छुड़ा रही है.

पिछले 2 सप्ताह से प्रदेश में लगातार मौसम बदला हुआ रहा है. कभी सूर्य की तपिश ने लोगों को सताया, तो कभी बारिश ने लोगों को राहत भी दी. इस दौरान प्रदेश में दिन और रात का तापमान मिलाजुला ही रहा है लेकिन बीते 3 दिनों से एक बार फिर से प्रदेश में गर्मी अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है. बीते 3 दिनों से प्रदेश में दिन के तापमान में तकरीबन चार से पांच डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है. वहीं, चूरू, बीकानेर, श्रीगंगानगर में दिन का तापमान 43 डिग्री को पार कर चुका है. वहीं, प्रदेश के करीब सभी जिलों में दिन का तापमान 39 डिग्री के पार पहुंच चुका है.

अजमेर- अधिकतम 39.6 डिग्री, न्यूनतम 29.8 डिग्री
जयपुर- अधिकतम 41 डिग्री, न्यूनतम 29.6 डिग्री
कोटा- अधिकतम 41.3 डिग्री, न्यूनतम 28.2 डिग्री
डबोक- अधिकतम 38 डिग्री, न्यूनतम 25.5 डिग्री
बाड़मेर- अधिकतम 41.7 डिग्री, न्यूनतम 28.4 डिग्री
जैसलमेर- अधिकतम 42.8 डिग्री, न्यूनतम 29.1 डिग्री
जोधपुर- अधिकतम 40.7 डिग्री, न्यूनतम 28.6 डिग्री
बीकानेर- अधिकतम 43.2 डिग्री, न्यूनतम 30.6 डिग्री
चूरू- अधिकतम 43 डिग्री, न्यूनतम 27 डिग्री
श्रीगंगानगर- अधिकतम 43.3 डिग्री, न्यूनतम 28.4 डिग्री

दिन के साथ ही रात के तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है. बीते 3 दिनों में रात के तापमान में करीब 3 डिग्री से ज्यादा बढ़ोतरी दर्ज की जा चुकी है. इस दौरान प्रदेश में रात का तापमान करीब 28 डिग्री के पार पहुंच चुका है.

अजमेर 26.8 डिग्री, वनस्थली 29 डिग्री, जयपुर 29.6 डिग्री कोटा 28.2 डिग्री, सवाई माधोपुर 29.4 डिग्री, बूंदी 27,2 डिग्री चित्तौड़गढ़ 26.6 डिग्री,डबोक 25.5 डिग्री, बाड़मेर 28.4 डिग्री जैसलमेर 29.1 डिग्री, जोधपुर 28.6 डिग्री, माउंट आबू 16 डिग्री फलोदी 31.4 डिग्री, बीकानेर 30.6 डिग्री,चूरू 27 डिग्री श्रीगंगानगर में 28.4 डिग्री दर्ज किया गया रात का तापमान

मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों तक प्रदेश में मौसम साफ रहने के चलते तापमान में और बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी. इसके साथ ही आने वाले 1 सप्ताह में प्रदेश के करीब आधा दर्जन जिलों में मौसम बदलने के साथ ही धूल भरी हवाओं के साथ हल्की से तेज बारिश होने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी.

दंतेवाड़ा: CRPF जवानों को गस्त के दौरान मिली बड़ी सफलता, एक नक्सली गिरफ्तार

दंतेवाड़ा. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF) के जवानों को बड़ी सफलता मिली है. बुधवार को गस्त के दौरान CRPF 195 बटालियन के जवानों ने एक नक्सली को गिरफ्तार किया है. पकड़े गए नक्सली पर दंतेवाड़ा के एक थाने में कई गंभीर मामले दर्ज हैं. बुधवार की सुबह जवान जब भीमा मंडावी में गस्त के लिए निकले थे तो नक्सली जंगल में छिपकर बैठा था और जवानों को देखकर भागने लगा, जिसके बाद जवानों ने भी उसका पीछा किया और पकड़ लिया.

सीआरपीएफ अधिकारी के मुताबिक बुधवार को दंतेवाड़ा के भीमा मंडावी से एक नक्सली को गिरफ्तार किया गया है, जिसका नाम छोटे पटेल पारा है. जवानों के मुताबिक छोटे पटेल पारा भीमा मंडावी में DKMS का अध्यक्ष है.

इस पर भीमा मंडावी थाने में हत्या, आगजनी जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तानी वायुसेना कर रही 'हाई मार्क' युद्धाभ्यास, भारत रख रहा कड़ी नजर

नई दिल्ली :

पाकिस्तान की एयरफोर्स सीमा पर 'हाई मार्क' युद्धाभ्यास कर रही है, जिस पर भारत कड़ी नजर रख रहा है। इस युद्धाभ्यास में पाकिस्तानी वायुसेना के लड़ाकू और अन्य विमान शामिल हैं। सरकारी सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में हो रहा है और पाकिस्तानी वायुसेना द्वारा अपने हवाई अभ्यास को लेकर नोटिस टू एयरमैन जारी किया गया है। सूत्रों ने कहा, 'भारतीय वायुसेना उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही है क्योंकि पाकिस्तानी लड़ाकू विमान रात के समय उड़ान भरने सहित विभिन्न युद्धाभ्यास कर रहे हैं। इसमें चीनी जेएफ-17, एफ-16 एस और मिराज -3एस विमान भी शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी विमान भी पिछले साल फरवरी में भारतीय वायुसेना द्वारा बालाकोट में किए गए हवाई हमले की तरह रात के समय होने वाले छापे (रेड) को लेकर अभ्यास कर रहे हैं। पाकिस्तानी जेट ने अभ्यास अभियानों के लिए कल रात कराची शहर से बड़े पैमाने पर उड़ान भरी थी। पिछले महीने पाकिस्तान ने कश्मीर के हंदवाड़ा में हुई मुठभेड़ में भारतीय सेना के कर्नल के शहीद होने के बाद भारतीय वायुसेना द्वारा बदले की आशंका के चलते रात के समय उड़ान भरना शुरू कर दिया था। बता

दें कि दो मई को हुए आतंकी मुठभेड़ में कर्नल आशुतोष शर्मा समेत पांच जवान शहीद हो गए थे। मुठभेड़ में जवानों के शहीद होने से पाकिस्तान को भारत की तरफ से जवाबी कार्रवाई का डर सता रहा था।

सैनिक तो पीछे हटे लेकिन जिनपिंग ने भारत-चीन सीमा पर तैनात किया नया कमांडर

बीजिंग :

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने चुनौती भरी सीमाओं पर तैनात जवानों का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी विशेष रूप से सेना के नए कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल शू किलिंग को सौंपी है। वह भारत चीन सीमा के लिए जिम्मेदार वेस्टर्न थियेटर कमान की अगुवाई करेंगे। एक मीडिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। जनरल शू की नियुक्ति की घोषणा भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जारी गतिरोध के बीच ही पांच जून को हुई थी। हांगकांग आधारित साउथ चाइना मोर्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक, जनरल शू को वेस्टर्न थियेटर कमान के बलों का जायजा लेने के लिए भेजा गया है, जहां भारत-चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर गतिरोध जारी है। पोस्ट ने सेना के सूत्रों के हवाले से कहा, 'जिस तरह भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर तनाव बढ़ रहा है, वैसे में इस संवेदनशील वक्त में वेस्टर्न कमांड के सैनिकों और अफसरों का नेतृत्व करने के लिए एक युवा कमांडर की जरूरत है। शू 57 वर्ष के हैं और आयु में पिछले कमांडर से पांच वर्ष कम हैं।' खबरों के मुताबिक, इससे पहले किलिंग ईस्टर्न थियेटर कमांड में सेवा दे चुके हैं। चीन ने सीमा पर गतिरोध समाप्त करने के मकसद से गत शनिवार को वरिष्ठ भारतीय और चीनी सैन्य अधिकारियों के बीच होने वाली प्रमुख वार्ता से पहले यह कदम उठाया था। पीएलए की वेस्टर्न थियेटर कमांड भारत के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर निगरानी रखती है।

4 वर्षीय बच्ची को गोली मारने के मामले में क्रक्रने पाक सेना के खिलाफ खोला मोर्चा

पेशावर :

पाकिस्तान के बलूच में 4 वर्षीय ब्रम्ह को गोली मारने का मामला भड़कता जा रहा है। इस मामले में अब बलूच रिपब्लिकन पार्टी **(BRP)** ने पाकिस्तानी सेना के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बीआरपी ने एक ट्वीट में कहा कि 'म पाकिस्तान के सशस्त्र गुंडों के मौत के दस्ते को लेकर तुर्बत में 4 वर्षीय बच्ची ब्रम्ह व उसकी मां नाज को घर में घुस कर गोली मार दी थी। घटना में ब्रम्ह की मां की मौत हो गई जबकि ब्रम्ह गंभीर रूप से घायल हो गई थी। सोशल मीडिया पर **#JusticeForBramsh** ऑनलाइन अभियान शुरू करके दुनिया भर बलूच लोग इस विरोध में शामिल हो गए हैं। बीआरपी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इसके नेता मंसूर बलूच ने कहा है कि दन्नुक त्रासदी बलूचिस्तान में पाकिस्तान सशस्त्र बलों के नरसंहार का सिलसिला है जो पिछले कई सालों से फिरौती के लिए नागरिकों को अपहरण करने और शवों को डंप करने के काम में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल राज्य द्वारा पूर्ण स्वतंत्रता दी गई है, बल्कि आधुनिक हथियार, वाहन और वित्तीय सहायता भी प्रदान की गई है। घटना पिछले महीने की है जब कुछ अपराधियों ने दन्नुक इलाके में मलिक नाज के घर में घुसकर गोलीबारी शुरू कर दी। नाज की गोली मारकर हत्या कर दी गई और उसकी चार साल की बेटी ब्रम्ह गंभीर रूप से घायल हो गई। गोलियों की आवाज सुनने के बाद, निवासियों ने अल्ताफ मजार के रूप में पहचाने जाने वाले अपराधियों में से एक को पकड़ लिया। अल्ताफ ने अपने गिरोह के बीच **ads** डेथ स्क्वाड 'के समूह के साथ संबंध का खुलासा किया। डेथ स्क्वैड्स उन समूहों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है जो पाकिस्तान सेना और खुफिया एजेंसियों, आईएसआई और एमआई द्वारा समर्थित हैं। बलूच लोगों की हत्या और अपहरण के लिए इन समूहों को सेना द्वारा आउटसोर्स किया जा रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट के 200 से अधिक कर्मियों ने नडेला से की पुलिस के साथ करार रद्द करने की अपील

वाशिंगटन.

माइक्रोसॉफ्ट के 200 से अधिक कर्मियों ने कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला से अपील की है कि वह सिएटल पुलिस विभाग एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ कंपनी का करार रद्द कर दें। एक मीडिया रिपोर्ट में यह बताया गया है। अफ्रीकी-अमेरिकी जॉर्ज फ्लॉयड की हिरासत में मौत के बाद अमेरिका में लोगों का एक वर्ग पुलिस को धन देना बंद करने की मांग कर रहा है, जिसके बाद कर्मियों ने यह अपील की है। प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संबंधी ऑनलाइन पोर्टल 'वनजीरो डॉट मीडियम' की रिपोर्ट में कहा गया है कि 250 से अधिक कर्मियों ने सोमवार को नडेला और कार्यकारी उपाध्यक्ष कर्ट डेलबेन को संबोधित मेल में अपील की है कि कंपनी सिएटल पुलिस विभाग एवं अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ करार को रद्द कर दे। कर्मियों ने कंपनी से अपील की है कि वह 'ब्लैक लाइव्स मेटर' (काले लोगों का जीवन मायने रखता है) को औपचारिक समर्थन दे और सिएटल के मेयर के इस्तीफे की मांग करे। गौरतलब है कि फ्लॉयड की 25 मई को मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में मौत के बाद नस्ली भेदभाव के विरोध में अमेरिका समेत कई अन्य देशों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए थे। हथकड़ी लगे काले व्यक्ति फ्लॉयड की गर्दन को श्वेत पुलिस अधिकारी द्वारा घुटने से दबाए जाने का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में दिख रहा है कि अधिकारी कम से कम आठ मिनट तक अपने घुटने से 46 वर्षीय फ्लॉयड की गर्दन दबाए रखता है। इस दौरान फ्लॉयड सांस रुकने की बात कहता नजर आता है। वीडियो में दिखता है कि इसके बाद उसका हिलना-डुलना और बोलना बंद हो जाने पर भी पुलिस अधिकारी डेरेक चाउविन अपना घुटना नहीं हटाता। इससे पहले नडेला ने एक जून को कहा था कि समाज में ''नफरत और नस्लवाद'' के लिए कोई जगह नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

PAK में जियो टीवी और जंग ग्रुप के मालिक की रिहाई को लेकर देश व्यापी प्रदर्शन

इस्लामाबादः पाकिस्तान में जियो टीवी और जंग ग्रुप के मालिक मीर शकील-उर-रहमान की गिरफ्तारी के 87वें दिन उनकी रिहाई की मांग को देश भर में प्रदर्शन किए गए। सोमवार को किए गए इन प्रदर्शनों में मीडिया पर अंकुश लगाने के खिलाफ जियो और जंग ग्रुप के कार्यकर्ताओं के साथ पाकिस्तान फेडरल यूनियंस ऑफ जर्नलिस्ट, सिविल के प्रतिनिधि समाज और राजनीतिक दलों ने भी भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने रहमान की रिहाई के लिए नारे लगाए और मीडिया की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की निंदा की। उन्होंने द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट में जियो और जंग ग्रुप को बंद करने की साजिशों की भी निंदा की। रावलपिंडी के मुर्री रोड में जंग और द न्यूज के कार्यालयों के बाहर विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए, वक्ताओं ने रहमान को रिहा करने और उनके जारी होने तक अपना विरोध जारी रखने की कसम खाई । द न्यूज़ के संपादक आमिर गौरी ने कहाः हमें उम्मीद है कि अदालतें ब्रिटिश अदालतों की तरह 11 जून को न्याय प्रदान करेंगी। बता दें कि मीर शकील-उर-रहमान को 12 मार्च को एनएबी द्वारा पाकिस्तान में एक संपत्ति लेनदेन से संबंधित मामले में गिरफ्तार किया गया था। एनएबी के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने 1986 में रहमान को अवैध रूप से जमीन का पट्टा दिया था।

पाकिस्तान में कोविड-19 के एक दिन में सबसे अधिक 5,387 नए मामले

इस्लामाबाद, पाकिस्तान में पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के सबसे अधिक 500 से ज्यादा मामले सामने आए। इससे एक दिन पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संक्रमण के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए ''रुक-रुककर लॉकडाउन'' लगाने का सरकार से अनुरोध किया था। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार इस अवधि के दौरान कोविड-19 के 83 और मरीजों की मौत हो गई जिससे मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 2,255 हो गई और बीते 24 घंटों में 5,387 नए मरीज सामने आए। मंत्रालय ने बताया कि देशभर में अभी तक इस बीमारी से कुल 36,308 मरीज स्वस्थ हुए हैं। संक्रमितों के कुल 113,702 मामलों में से पंजाब में 43,460, सिंध में 41,303, खैबर-पख्तूनख्वा में 14,527, बलूचिस्तान में 7,031, इस्लामाबाद में 5,963, गिलगित-बाल्टिस्तान में 974 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 444 मामले सामने आए। यह विषाणु तेजी से फैल रहा है लेकिन सरकार ने वैकल्पिक आधार पर दो हफ्ते की रियायत देने के बाद दो हफ्ते का लॉकडाउन लगाने की नीति का पालन करने के विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है।

ब्रिटेन पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे चीन को अमेरिका ने लताड़ा

वाशिंगटन. अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने ब्रिटेन पर दबाव बनाने के लिए तरह-तरह की तरकीबें आजमा रहे चीन की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि लंदन स्थित एचएसबीसी बैंक के जरिए वह ब्रिटेन पर अपनी परियोजनाओं के लिए दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है और उसकी चाल को देखते हुए सतर्क होने की आवश्यकता है। पोम्पियो ने कहा कि चीन ने ब्रिटेन के बैंक 'द हांगकांग एंड शंघाई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एचएसबीसी)' को कथित तौर पर दंडित करने की धमकी दी है। उसने कहा है कि अगर ब्रिटेन हुवेई को उसका 5जी नेटवर्क बनाने की अनुमति नहीं देगा तो वह भी ब्रिटेन में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण का अपना वादा तोड़ देगा। उन्होंने कहा कि शेनझेन स्थित हुवेई चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के निगरानी तंत्र का हिस्सा है। पोम्पियो ने कहा, ''चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के धौंस जमाने के तरीकों के खिलाफ अमेरिका अपने सहयोगियों और साझेदारों के साथ खड़ा है। उसके द्वारा एचएसबीसी को धमकाने को एक चेतावनी की तरह लेना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''बैंक के एशिया-प्रशांत क्षेत्र के सीईओ पीटर वांग चाइनीज पीपल्स पॉलिटिकल कंसल्टेटिव कॉन्फ्रेंस के सदस्य हैं। पिछले ही हफ्ते उन्होंने एक याचिका पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें हांगकांग की स्वायत्तता को खत्म करने के विनाशकारी फैसले का समर्थन किया गया है।'' पोम्पियो ने कहा कि निष्ठा के इस प्रदर्शन से बैंक को बीजिंग में कुछ सम्मान हासिल हुआ। चीन अपने यहां बैंक का इस्तेमाल लंदन के खिलाफ राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीजिंग का आक्रामक व्यवहार दिखाता है कि देशों को क्यों चीन पर आर्थिक रूप से अत्यधिक निर्भर होने से बचना चाहिए और चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के प्रभाव से अपने यहां के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों को बचाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के चीन की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने के इरादे का दबाव हाल में ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क तथा अन्य मुक्त देशों को झेलना पड़ा है। विदेश मंत्री ने कहा, ''अमेरिका सुरक्षित एवं भरोसेमंद परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण से लेकर नागरिकों की निजता को सुरक्षित रखने वाली विश्वासयोग्य 5जी सेवा के विकास तक ब्रिटेन में किसी भी जरूरत में मदद करने के लिए तैयार है। मुक्त देश सच्ची मित्रता में विश्वास रखते हैं और साझा समृद्धि की आकांक्षा रखते हैं।''

न्यूयॉर्क में पुलिस के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड गोपनीय रखने वाला कानून रद्द

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क राज्य के सांसदों ने मंगलवार को दशकों पुराने उस कानून को रद्द कर दिया जिससे तहत कानून प्रवर्तन अधिकारियों के अनुशासनात्मक रिकॉर्डों को गोपनीय रखा जाता है। अधिकारियों के रिकॉर्ड और दुर्व्यवहार की शिकायतों को सार्वजनिक करने का यह कदम पुलिस की जवाबदेही तय करने वाले उन कई विधेयकों में से एक है जिन पर राज्य विधायिका में विचार चल रहा है। काले व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की मिनियापोलिस में पुलिस हिरासत में मौत के बाद ऐसे कानूनों को निरस्त किए जाने की मांग की जा रही है। इनमें से कई विधेयकों का प्रस्ताव वर्षों पहले रखा गया था लेकिन पुलिस क्रूरता की निंदा करते हुए देशव्यापी प्रदर्शनों के बाद इनकी मांग तेज हो गई है। सेक्शन 50-ए के नाम से पहचाने जाने वाले इस कानून को रद्द करने से अधिकारियों के खिलाफ शिकायतों के साथ ही अनुशासनात्मक कार्रवाई के दस्तावेज भी सार्वजनिक किए जा सकेंगे। कानून में सुधार का हाल ही में समर्थन करने वाले गवर्नर एंड्रयू कुमो ने प्रदर्शनों के मद्देनजर कहा कि वह इस कानून को रद्द करने के आदेश पर हस्ताक्षर करेंगे। अभी केवल डेलवेयर राज्य में ही ऐसा कानून है।

कनाडा की पत्रकार के अपहरण और हत्या मामले में वांछित पाकिस्तान तालिबान का आतंकी मुठभेड़ में ढेर

इंटरनेशनल :

कनाडा की पत्रकार खदीजा अब्दुल कहर के अपहरण और हत्या के मामले में वांछित पाकिस्तान तालिबान का आतंकवादी अमीन शाह पेशावर में में मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। खैबर-पख्तूनख्वा के पुलिस प्रमुख सनाउल्ला अब्बासी ने कहा कि प्रतिबंधित आतकंवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का शीर्ष आतंकवादी शाह आतंकवाद के कई मामलों में वांछित था। उन्होंने कहा कि उसने 2008 में कहर (55) का अपहरण कर 2010 में पाकिस्तान में उनकी हत्या कर दी थी। तालिबान ने कहर को रिहा करने के लिये फिरौती के तौर पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर और हिरासत में लिए गए अपने कुछ नेताओं को छोड़ने की मांग रखी थी। अब्बासी ने कहा कि शाह आत्मसमर्पण करने से इनकार करने के बाद पुलिस कर्मियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। इस्लाम कबूल करने से पहले बेवर्ली गीसब्रेक्ट के नाम से जानी जाने वाली कनाडा की पत्रकार कहर का उनके अनुवादक सलमान खान और रसोइया तथा वाहन चालक जार मोहम्मद के साथ अशांत उत्तरी वजीरिस्तान कबाइली क्षेत्र के मीरानशाह की यात्रा के दौरान 11 नवंबर 2008 को अपहरण कर लिया गया था। कनाडा और पाकिस्तान की सरकार ने कहर की सुरक्षित रिहाई के लिये संयुक्त अभियान चलाया, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। एक धार्मिक दल के प्रयासों के चलते आठ महीने बाद खान और महमूद को छोड़ दिया गया था। खान ने अपनी रिहाई के बाद बताया था कि 'जिहादुन्स्पुन डॉट कॉम' नामक वेबसाइट की मालिक और प्रकाशक कहर हेपेटाइटिस से जूझ रही थीं और मौत के लिये मानसिक रूप से तैयार थीं। उन्हें अपनी रिहाई की ज्यादा उम्मीद नहीं थी। कहर ने पाकिस्तान को पूरी तरह युद्ध क्षेत्र करार देते हुए यहां से निकलने के लिये मदद मांगी थी। इससे पहले अपहरणकर्ताओं ने 30 मार्च

2009 तक फिरौती की मांग पूरी न होने पर क़हर को मारने की धमकी दी थी।

मीरानशाह प्रेस क्लब को भेजे गए वीडियो में कहर यह गुहार लगाती नजर आईं '' मुझे बचा लीजिये...मैं कनाडा सरकार, मानवाधिकार संगठनों और मीडिया संघों से इनकी सभी मांगें मान लेने और मुझे छुड़ाने का अनुरोध करती हूं, वरना ये मुझे जान से मार देंगे।

चीन, भारत सीमा पर हालात 'सामान्य' बनाने के लिए उठा रहे कदम : चीनी अधिकारी

बीजिंग,

चीन ने बुधवार को कहा कि सीमा पर हालात सामान्य बनाने के मकसद से छह जून को दोनों देशों के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच हुई 'सकारात्मक बातचीत' के आधार पर भारतीय और चीनी सैनिकों ने कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

चीन के विदेश मंत्रालय की एक प्रवक्ता इस बारे में बताया है। एक दिन पहले नयी दिल्ली में अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को सैन्य वार्ता के दूसरे दौर के पहले, शांतिपूर्ण तरीके से सीमा गतिरोध को खत्म करने के इरादे से भारत और चीन की सेना ने पूर्वी लद्दाख के कुछ इलाके से पीछे हटने का फैसला किया है। उन खबरों के बारे में पूछे जाने पर कि, क्या दोनों तरफ के जवान अपनी पुरानी स्थिति की तरफ लौट रहे हैं, चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता हुआ चुनयिंग ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सीमा पर स्थिति सहज बनाने के लिए दोनों तरफ कदम उठाए जा रहे हैं ।

उन्होंने कहा, ''हाल में चीन और भारत के बीच कूटनीतिक और सैन्य माध्यम से सीमा पर स्थिति के बारे में प्रभावी बातचीत हुई और सकारात्मक सहमति बनी।'' प्रवक्ता ने कहा, ''सीमा पर स्थिति सहज बनाने के लिए दोनों देश आपस में बनी सहमति के आधार पर कदम उठा रहे हैं।''

नयी दिल्ली में सैन्य सूत्रों ने कहा है कि दोनों सेनाएं गलवान घाटी में गश्त प्वाइंट 14 और 15 के आसपास तथा हॉट स्प्रिंग क्षेत्र से हट रही हैं । साथ ही कहा गया है कि चीनी सेना दोनों क्षेत्र में 1.5 किलोमीटर तक पीछे हट गयी है । पेंगॉन्ग सो में हिंसक झड़प के बाद पांच मई से ही भारत और चीन की सेना के बीच गतिरोध चल रहा है । पेंगॉन्ग सो झील के पास फिंगर इलाके में भारत द्वारा महत्वपूर्ण

सड़क बनाने पर चीन ने कड़ा ऐतराज किया था। इसके अलावा गलवान घाटी में दरबुक-शायोक-दौलत बेग ओल्डी रोड को जोड़ने वाली सड़क पर भी चीन ने आपत्ति जतायी थी। इसके बाद से ही दोनों देशों की सेनाएं आमने-सामने हैं । छह जून को सैन्य स्तरीय वार्ता के दौरान भारत और चीन 2018 में वुहान शिखर बैठक में दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच बनी सहमति के आधार पर फैसला करने पर सहमत हुए थे । छह जून को लेह की 14 वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और तिब्बती सैन्य जिले के कमांडर मेजर जनरल लिउ लिन के बीच समग्र बैठक हुई थी । यह आर्टिकल पंजाब केसरी टीम द्वारा संपादित नहीं है, इसे एजेंसी फीड से ऑटो-अपलोड किया गया है।

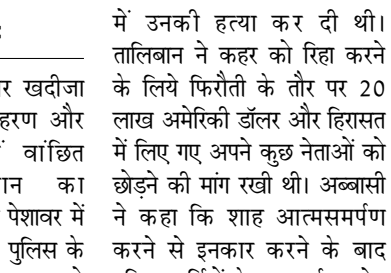

मास्क के व्यापक इस्तेमाल से कोरोना को बढ़ने से रोकना संभवः अध्ययन

लंदन।

लॉकडाउन लागू करने के साथ-साथ मास्क के व्यापक स्तर पर उपयोग से कोरोना वायरस को फिर से जोर पकड़ने रोका जा सकता है। पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी ए' में प्रकाशित एक अध्ययन में यह दावा किया गया है। अध्ययन में कहा गया है कि केवल लॉकडाउन लागू करने से कोरोना वायरस को दोबारा जोर पकड़ने से नहीं रोका जा सकता है। अध्ययन में कहा गया है कि यदि बड़ी संख्या में लोग मास्क का प्रयोग करते हैं तो संक्रमण की दर को नाटकीय ढंग से कम किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि घर में बने कम प्रभाव वाले मास्क भी उपयोगी साबित हो सकते हैं। ब्रिटेन स्थित कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता रिचर्ड स्टुटफॉम ने कहा, ''हमारा विश्लेषण इस बात का समर्थन करता है कि लोग तत्काल और विश्वव्यापी स्तर पर मॉस्क का उपयोग करें।'' उन्होंने कहा, ''यदि लोग सामाजिक दूरी बनाए रखने और कुछ हद तक लॉकडाउन के साथ-साथ मास्क का व्यापक स्तर पर उपयोग करते हैं तो यह वैश्विक महामारी से निपटने का स्वीकार्य तरीका बन सकता है और टीका आने से पहले भी आर्थिक गतिविधियां पुनः आरंभ की जा सकती हैं।''

विवादित क्षेत्र से पीछे हटीं भारत-चीन सेना, कल होगी डिवीजनल कमांडर की बैठक

नई दिल्ली :

भारत और चीन की सेनाओं ने सीमा पर गतिरोध के शांतिपूर्ण समाधान के अपने संकल्प को प्रदर्शित करते हुए पूर्वी लद्दाख के कुछ गश्त बिंदुओं से ÷सांकेतिक वापसी÷ के तौर पर अपने सैनिकों को वापस बुलाया है। वहीं, इस मुद्दे पर दोनों पक्ष बुधवार को एक और दौर की मेजर जनरल स्तर की वार्ता करने वाले हैं। मामले के बारे में जानकारी रखने वालों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी, पैंगोंग सो, दौलत बेग ओल्डी और डेमचोक जैसे इलाकों में दोनों सेनाओं का आक्रामक रुख बरकरार है और आने वाले कुछ दिनों में इस गतिरोध को खत्म करने का समाधान तलाशने के लिये बातचीत के कई दौर होंगे। सैन्य सूत्रों ने कहा कि चीनी और भारतीय सेनाओं ने गलवान घाटी के दो गश्त क्षेत्रों 14 और 15 तथा हॉट स्प्रिंग के एक गश्त क्षेत्र से अपने कुछ सैनिक वापस बुलाने शुरू किये हैं। चीनी पक्ष दोनों इलाकों में लगभग डेढ़ किलोमीटर तक पीछे हट गया है।

हालांकि, सैनिकों की वापसी के संदर्भ में रक्षा मंत्रालय या विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस मामले पर चीन की तरफ से भी कोई जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों ने कहा कि चीनी और भारतीय दोनों सेनाएं इन तीन इलाकों से कुछ सैनिकों को वापसी बुला रही हैं और अस्थायी ढांचों को हटा रही हैं। सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा, 'यह एक सकारात्मक घटनाक्रम है।'

6 जून को हुई थी कमांडर स्तर पर बैठक

मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि दोनों पक्षों में छह जून को हुई उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता के दौरान सांकेतिक वापसी के लिए सहमति बनी थी जिससे दोनों तरफ यह मामले के समाधान के लिए सकारात्मक संदेश जाए कि और इसे वास्तविक तरीके से सैनिकों की वापसी के तौर पर नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि गलवान घाटी इलाके में अब भी चीनी सैनिक बड़ी संख्या में मौजूद हैं, जिसको लेकर भारत ने आपत्ति जताई थी। उन्होंने कहा कि दोनों देश क्षेत्र में तनाव और कम करने के लिये बुधवार को मेजर जनरल स्तरीय बातचीत के अलावा छह जून को उच्च स्तरीय बैठक में बनी सहमति के मुताबिक वार्ता प्रक्रिया के तहत फील्ड कमांडरों के बीच भी बातचीत होगी।

भारतीय और चीनी सैनिकों में पैंगोंग सो इलाके में पांच मई को हिंसक झड़प हुई थी जिसके बाद से दोनों पक्ष वहां आमने-सामने थे और गतिरोध बरकरार था। यह 2017 के डोकलाम घटनाक्रम के बाद सबसे बड़ा सैन्य गतिरोध बन रहा था। विवाद खत्म करने के लिए अपने पहले गंभीर प्रयास के तहत लेह स्थित 14वीं कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल हरिंदर सिंह और तिब्बत मिलिट्री डिस्ट्रिक्ट के कमांडर मेजर जनरल लियु लिन ने छह जून को व्यापक बातचीत की। इससे हालांकि कोई ठोस परिणाम नहीं निकल सका।

विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा था कि बैठक सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में हुई और दोनों पक्ष इस पर सहमत थे कि इस मुद्दे का शीघ्र समाधान दोनों देशों के बीच रिश्तों को और विकसित करने में मदद करेगा।

गतिरोध सुलझाने पर बनी समहति- चीन

चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति कायम रखने और बातचीत के जरिए गतिरोध को सुलझाने पर सहमत हैं।

शनिवार की बातचीत से एक दिन पहले दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता हुई और इस दौरान दोनों पक्षों ने सहमति जताई कि 'मतभेदों' को शांतिपूर्ण चर्चा और एक दूसरे की संवेदनशीलता व चिंताओं का सम्मान करते हुए हल किया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुरत डिंडोली में बारिश के कारण मनपा का डंपर फ़सने से कमजोर सड़क की पोल खुल गई.

सूरत। डिंडोली में गड्ढे में फंसा डम्पर.मनपा की प्री–मॉनसून कामगिरि की खुली पोल.

पहली बरसात के साथ है शहर के कई विस्तार और सड़को पर हुए गड्ढो से मनपा की प्री– मॉनसून कामगिरी की पोल खुल गई है,.

इसी बिच डिंडोली क्षेत्र में एक गड्ढे में डम्पर फंस जाने से मनपा के कार्यो पर सवाल उठने लगे.

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक डिंडोली क्षेत्र में रास्ते के बिच गड्ढा हो जाने से डम्पर फंस गया.डम्पर का एक पहिया गड्ढे में फंस जाने से डम्पर पलट जाने की स्थिति में आ गया था,

लेकिन हादसा और जानहानि होते रह गया.

जबकि इस घटना को लेकर मनपा की प्री मॉनसून कामगिरी पर सवाल उठने लगे.

थूक लगाकर काम करनेवाले मनपा कर्मचारियों की निति और कामचोरी की वजस हर बार बरसात में सड़को पर गड्ढे होने के साथ सड़के टूट जाती है और हादसे होते है.

सुरत के कई मनपा अधिकारीयों ने तो अब लोगों का फोन पर कोई भी जवाब नही देते हैं न ही मुलाकात करने पर मुलाकात करते हैं मिलते सिर्फ उन्होंने ही जिनके पास से कुछ मिलने वाले हो नही तो फोन करने वाले को हेरान कर परेशान करते हैं और कहते हैं की सभी लोग व्यस्त होने से कोई भी जवाब नही दे रहे हैं, पेपर पर ही सारे काम पूरा करने का कोशिश कर रहे हैं

पश्चिम रेलवे की 1219 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों से 18.32 लाख प्रवासी श्रमिक पहुंचे अपने गृह राज्य

अहमदाबाद, पश्चिम रेलवे

द्वारा 2 मई 2020 से 8 जून 2020 तक 1219 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया गया है, जिनके माध्यम से लगभग 18.32 लाख प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों को उनके वांछित गंतव्यों तक पहुंचाया गया है। इस तरह की श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाने के भारतीय रेलवे के फैसले से लाखों प्रवासी श्रमिक और उनके परिवार लाभान्वित हुए हैं। श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का संचालन विभिन्न जोनल रेलों द्वारा लगातार किया जा रहा है, जो देश के विभिन्न स्टेशनों से प्रवासी श्रमिकों को उनके गृहनगरों तक पहुंचा रही हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भ. ाकर द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1219 श्रमिक विशेष ट्रेनों में से सबसे ज़्यादा बिहार के बाद उत्तर प्रदेश के लिए अधिकतम रेलगाड़ियाँ चलाई गई हैं। विशेष श्रमिक ट्रेनें उड़ीसा, मध्यप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिमबंगाल, गुजरात, मणिपुर, जम्मू औरकश्मीर, हिमा. चल प्रदेश, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल, असम और महाराष्ट्र के लिए भी चलाई गईं। इन ट्रेनों के ज़रिये लगभग 18.32 लाख यात्रियों को 2 मई, 2020 से 8 जून, 2020 तक देश के विभिन्न राज्यों में स्थित उनके गृहनगरों तक पहुँचाया गया है। भाकर ने कहा कि इन श्रमिक विशेष ट्रेनों ने लॉकडाउन के कारण अटके हुए मजदूरों और उनके परिवारों के तेजी से आवागमन को सुगम बनाने में उल्लेखनीय मदद की है। इसी क्रम में 8 जून, 2020 को मुंबई उपनगरीय खंड के बांद्रा टर्मिनस से 2 और श्रमिक विशेष ट्रेनें रवाना हुईं, जिनमें से एक ट्रेन झारखंड के गिरिडीह के लिए रवाना हुई और दूसरी उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के लिए रवाना हुई। 3 मई से 8 जून 2020 तक, कुल 183 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें मुंबई उपनगरीय खंड से निकली हैं, जिसमें बांद्रा टर्मिनस से 67 श्रमिक विशेष ट्रेनें, बोरीवली से 71, वसई रोड से 31, दहानू रोड से 2 और पालघर स्टेशन से चली12 ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों को गोरखपुर, जौनपुर, गोंडा, वाराणसी, प्रतापगढ़, भागलपुर, प्रयागराज, दरभंगा, दानापुर, हावड़ा आदि के लिए रवाना किया गया। इन 1219 ट्रेनों में से, मुंबई डिवीजन ने सबसे अधिक 708 ट्रेनें, अहमदाबाद डिवीजन ने 258, वडोदरा डिवीजन ने 100, भावनगर डिवीजन ने 30, राजकोट डिवीजन ने 117 और रतलाम डिवीजन ने 6 श्रमिक ट्रेनों का परिचालन किया है। इन विशेष ट्रेनों का परिचालन सामाजिक सुरक्षा के सभी आवश्यक मानदंडों को बनाये रखने के अलावा ट्रेन में चढ़ने से पहले यात्रियों की समुचित थर्मल स्क्रीनिंग के साथ किया जा रहा है। यात्रा के दौरान यात्रियों को मुफ्त भोजन और पैकेज्ड पेयजल भी दिया जा रहा है।

भाकर ने बताया कि 22 मार्च से 8 जून, 2020 तक, मालगाड़ियों के कुल 5807 रेकों का उपयोग पश्चिम रेलवे द्वारा 11.49 मिलियन टन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए किया गया है। 11,440 मालगाड़ियों को अन्य जोनल रेलों के साथ इंटरचेंज किया गया है, जिनमें 5,757 ट्रेनें सौंपी गईं और 5,683 ट्रेनों को अलग–अलग इंटरचेंज पॉइंट पर ले जाया गया। पार्सल वैन / रेलवे दूध टैंकरों (आरएमटी) के 321 मिलेनियम पार्सल रेक देश के विभिन्न भागों में दूध पाउडर, तरल दूध और अन्य सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की मांग के अनुसार आपूर्ति करने के लिए भेजे गए हैं। गौरतलब है कि 23 मार्च से 8 जून, 2020 तक लॉकडाउन की अवधि के दौरान, पश्चिम रेलवे द्वारा अपनी 320 पार्सल विशेष गाड़ियों के माध्यम से 53 हजार टन वजन वाली वस्तुओं का परिवहन किया गया, जिनमें कृषि उत्पाद, दवाएं, मछली, दूध आदि शामिल थे। इस परिवहन के माध्यम से उत्पन्न आय, लगभग 16.84 करोड़ रु रही है। इस अवधि के दौरान, पश्चिम रेलवे द्वारा चालीस दुग्ध विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई गईं, जिनमें 29 हज़ार टन से अधिक का भार था और वैगनों के 100 : उपयोग से लगभग 5.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इसी प्रकार, 20 हजार टन से अधिक भार वाली 275 कोविड –19 विशेष पार्सल ट्रेनें भी आवश्यक वस्तुओं के परिवहन के लिए चलाई गईं, जिनके लिए अर्जित राजस्व 10.67 करोड़ रुपये रहा। इनके अलावा 2378 टन भार वाले 5 इंडेंटेड रेक भी 100: उपयोग के साथ चलाए गए, जिनसे 1.07 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ।

भाकर ने बताया कि कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण पश्चिम रेलवे पर कमाई का कुल अनुमानित घाटा 1233 करोड़ रुपये से अधिक रहा है, जिसमें उपनगरीय खंड के लिए 175.23 करोड़ रुपये और गैर– उपनगरीय के लिए 1058.01 करोड़ रुपये का नुक़सान शामिल है। इसके बावजूद, अब तक टिकट रद्द करने के परिणामस्वरूप, पश्चिम रेलवे ने 321.96 करोड़ रुपये की रिफंड राशि वापस करना सुनिश्चित किया है। गौरतलब है कि इस रिफंड राशि में, अकेले मुंबई डिवीजन ने 150.27 करोड़ रुपये के रिफंड की अदायगी सुनिश्चित की है। अब तक 49.33 लाख यात्रियों ने पूरी पश्चिम रेलवे पर अपने टिकट रद्द कर दिए हैं और तदनुसार उनकी रिफंड राशि प्राप्त की है।

गुजरात में कोरोना के 510 नए केस, 34 मरीजों की मौत, 370 हुए स्वस्थ

अहमदाबाद गुजरात में बुध ावार को कोरोना के रिकार्ड केस दर्ज हुएद्य कोरोना की दस्तक के बाद गुजरात में पहली बार 24 घंटों में एक साथ 510 नए केस सामने आए हैं!

इस दौरान राज्य में 34 मरीजों की मौत हो गई और 370 लोग स्वस्थ हुए हैं!

510 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना केसों की संख्या 21554 पर पहुंच गई है!

स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 343, सूरत में 73, वडोदरा में 35, भावनगर में 8, खेडा में 6, राजकोट में 5, मेहसाणा में 4, अरवल्ली में 4, साबरकांठा में 4, आणंद में 4, सुरेन्द्रनगर में 4, गांधीनगर में 2, कच्छ में 2, जामनगर में 2, भरुच में 2, जूनागढ़ में 2, पोरबंदर में 2, मोरबी में 2, पंचमहल में 1, पाटन में 1, छोटाउदेपुर में 1 और अन्य 3 समेत कोरोना के कुल कुल 510 नए केस दर्ज हुए है! इस दौरान अहमदाबाद में 26, सूरत और अरवल्ली में 2–2, गांधीनगर, भावनगर, बनासकांठा और साबरकांठा में 1–1 समेत कुल 34 मरीजों की मौत हो गई वहीं पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 266, सूरत में 53, वडोदरा में 14, गांधीनगर में 12, मेहसाणा में 4, नवसारी में 3, पोरबंदर में 3, आणंद में 2, जामनगर में 2, पाटन में 2, सुरेन्द्रनगर में 2, अमरेली में 1, अरवल्ली में 1, देवभूमि द्वारका में 1, जूनागढ़ में 1, पंचमहल में 1, राजकोट में 1 और साबरकांठा में 1 समेत राज्यभर में कोरोना को मात देकर 370 लोग स्वस्थ हुए हैं!

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 266404 टेस्ट किए गए हैं!

जिसमें 21554 कोरोना पॉजिटिव केस मिलेद्य राज्य में फिलहाल कोरोना के 5464 सक्रिय मरीज हैं!

जिसमें 5395 मरीजों की हालत स्थिर है और 69 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य अब तक राज्य में कुल 1347 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है और 14743 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट चुके हैं! राज्य में 212291 लोग कोरन्टाइन हैंद्य जिसमें 205746 होम कोरन्टाइन और 6565 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन में हैं!

वेडरोड पर एक युवक ने आर्थिक तंगी से तंग आकर लगाया फांसी

देर रात भूकंप से मेहसाणा के लोगों में दहशत

अहमदाबाद उत्तरी गुजरात के मेहसाणा में देर रात करीब 3 बजे भूकंप के झटके से लोगों में दहशत फैल गई! मेहसाणा के बलोल के निकट अचानक जमीन थर्राने से लोग कांप उठे! हांलाकि भूकंप की तीव्रता 1.4 थी, जिससे कोई नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन लोगों में डर पैठ गया! बुधवार के तड़के 3.06 बजे मेहसाणा से 16 किलोमीटर दूर भूकंप का हलका झटका महसूस किया गया! लोग जब गहरी नींद थे, उस वक्त बलोल गांव की जमीन थर्रा उठी! पिछले 5 दिनों में मेहसाण में भूकंप के 3 झटके महसूस किए गएद्य इससे पहले 5 जून को दोपहर 1.06 बजे धरोई से 14 किलोमीटर दूर 1.4 की तीव्रता का भूकंप का झटका महसूस किया गया था! उस वक्त जमीन के 3 किलोमीटर नीचे भूकंप का एपी सेंटर थाद्य 1.4 की तीव्रता वाला भूकंप दूसरा झटका 6 जून को सुबह 10.13 बजे धरोई से 20 किलोमीटर दूर महसूस किया गया! जिसका एपी सेंटर जमीन से 14.4 किलोमीटर नीचे था!

वोट की दरकार होने पर बीटीपी की याद आती है : छोटु वसावा

अहमदाबाद गुजरात में आगामी 19 जून को होनेवाले राज्यसभा चुनाव में भाजपा 3 और कांग्रेस 2 सीटों कब्जा करने के लिए भरपूर कोशिशों में लगी हुई हैं और दोनों ही अपनी अपनी जीत का दावा कर रही हैं!

8 विधायकों के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के लिए दूसरी सीट निक. ालना मुश्किल हो चला है, इसके बावजूद एनसीपी का 1 और बीटीपी के 2 वोटों को अपने साथ मानकर जीत का दावा कर रही है लेकिन अब तक साफ नहीं हुआ है बीटीपी के दो वोट किसके पक्ष में पड़ेंगे!

मार्च में महीने में भी बीटीपी के वोट अपने पक्ष में कराने के लिए कांग्रेस और भाजपा ने प्रयास किए थे! फिर एक बार दोनों पार्टियों ने बीटीपी को अपने फेवर में करने की कोशिशें तेज कर दी हैं! दूसरी ओर बीटीपी विधायक छोटु वसावा ने कहा कि जब कभी वोट की जरूरत होती है तब लोग उन्हें याद करते हैं! उन्होंने कहा कि अब तक किसी भी पार्टी ने उनसे बातचीत नहीं कीद्य कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए वसावा ने कहा कि उसने डैम बनाकर आदिवासियों के लिए समस्याएं पैदा की हैं!

कांग्रेस सरकार में 1962 से आदिवासियों की विस्थापन की समस्या चली आरही है! स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के बनने तक कांग्रेस खामोश रही! वसावा कहा कि राज्यसभा चुनाव को लेकर फिलह. ाल उनका रुक स्पष्ट नहीं है! वोट की जरूरत होती है तब मतलबी लोग बात करते हैं! कांग्रेस को यदि काम करना होता तो व्यापारियों के बजाए विचारकों को टिकट देना चाहिए!

जय अम्बे चैरिटेबल ट्रस्ट भीमराड गाँव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों द्वारा रक्त दान किया गया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)